



घोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

बग्मी-3

मुख्यमंत्री, तिथि

19 फ़रवरी, 1937 (₹10)

09 मार्च, 2016 (₹0)

प्रश्नों की कुल संख्या 192

(1) शासीय सार्व विभाग	94
(2) वय विभाग विभाग	32
(3) शासीण विकास विभाग	08
(4) जल संरक्षण विभाग	33
(5) लघु जल रासायन विभाग	18
(6) अम भव्यापत्र विभाग	03
(7) भवत विर्द्धण विभाग	01
(8) प्रधानमंत्री राज विभाग	03

भूतिका वा निर्माण

'का'-²⁵² श्रीमती अपरीष्ठी दहो—एह मर्जे, प्रभोण कार्य विभाग, यह बहलाने को कृपा करो कि कथा यह जात सही है कि पर्याप्त चमाराण निलान्मार्ग गैरिका प्राप्ति के इम-टिकून साता में खेड़ नहीं से लिकते होंगी पर पुनिष्य का निर्वाण वही किया गया है, जिससे उक्त प्राप्ति को लोगों को जीवी मिल, नरकाटकाणा एवं अनुनादल लोकोत्तम, नरकाटकाणा पर्याप्ति में ५ विषयों को अधिक दूरी तक छापी छढ़ती है, भरि ही, स कथा उपर्युक्त उपरा सौती पर पुरिष्य का निर्माण करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों?

पुत्र का निर्माण

'का'-²⁶⁰ श्री राजेश आमर—कथा मर्जे, प्रभोण कार्य विभाग, यह बहलाने को कृपा करो कि कथा यह जात सही है कि लौटराकार विलास के चटुनया, जानूरीन ऐड के बोधा छात में बदरे नहीं पर यसकी वीर्य यो प्राप्त प्रूप नहीं होने से निर्वाणगत को लक्षित, तेजुष, सारोत, करोत्तम, जारीजातु, बदूष्य, यमा, मंडा, महाराज्यगत, एवं प्रशुद्ध-सुखाण बद्धा, यमपुर, यमउत्ती, बोद्धा और लौटरामार विलान-सभा के देह एवं रक्षागत के महानपूर प्रदान के लोगों का धरमात के दिनों में अव्याप्तम् पूर्णतः व्याप्ति हो जाता है, मारि ही तो क्यों?

भवन का निर्माण

'का'-²⁷² श्री लक्ष्मीश्वर प्रसाद—कथा मर्जे, प्रभोण विकास विभाग, यह बहलाने को कृपा करो कि—

(1) कथा यह यह सही है कि कलिदार विलास अन्तर्गत इमाराणा प्रशुद्ध भवन के निर्माण हातु निलान्मार्ग को ३.२५ एकड़ वर्गीन इकान्तान्तर्गत हो सकते हैं;

(2) कथा यह यह सही है कि प्रशुद्ध कार्यालय के भवन निर्माण हेतु भवन निर्माण विभाग को वर्ष २०१४-१५ में सक्षि भी उपलब्ध करा दी गई है;

(3) कथा यह जात सही है कि इमाराणा प्रशुद्ध कार्यालय अव्याप्ति काग से सामूदायिक भवन में जात हो, जिससे प्रशुद्ध कार्यालय को यात्रा-जाता में कठिनाई हो जाती है;

(4) कथा उपर्युक्त ग्रंथांक के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो साक्षर कार्यालय भवन वा निर्माण कार्य प्रारंभ करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों?

पुत्र का निर्माण

'का'-²⁸⁰ श्री (भ०) लंगोप आजम—कथा मर्जे, प्रभोण कार्य विभाग, यह बहलाने को कृपा करो कि—

(1) कथा यह जात सही है कि विलान्मार विलान्मार यात्रायुरागत प्रशुद्ध ने उच्चतात् भवनम् को कामठ, चन्द्रागत नहर में 'पुत्र का निर्माण एक वर्ष से ज्ञात रहा है';

(2) कथा यह यह सही है कि उक्त पुत्र निर्माण में अलाकानन्द के अनुसार यात्रा, सौमंदर एवं जल का उपर्योग नहीं हो सकता है;

(3) फिर उपर्युक्त ग्रंथांक के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो कथा सत्कार उपरा 'पुत्र का निर्माण प्रशुद्धकान्त' के अनुसार करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों?

गोट—'का'-दिनांक २ मार्च, २०१६ को सत्र छाते स्थानित।

'का'-दिनांक २ मार्च, २०१६ को सत्र द्वारा स्थानित।

“१४. दो प्रकार सोने किसी—जा। मंडी, छमोन काम विभाग, यह बस्ताने की जगत सोने का यह बाहर आयी है कि ५० लाखरुपा तिथा अन्यथा चारोंदिशा प्रवाह नीक से बहता आया। (धर्मिन लक्ष्मी) तब उसका जवाब है उथा इसके लियोगे देवि कार्तिकात्मक लक्ष्मीका, छमोन काम, बौद्धिक द्वापर, यह दूसरी ओर उच्चतम उत्तरांश की सेवा तथा है, ऐसी ही, वे जहा उसका तब उपर्युक्त नाम का मिमांग बोलने का विकल्प सही है, यहाँ ये क्यों ?

卷之三

***715. अनुसारी विधि**— यह भी एक विधि है जिसमें वह वालोंने भी काम करने के बाहर यहाँ आता सकता है कि आपसमें विधि के बावजूद उचित अन्यथा नहीं करते। यह 33 मात्र उचित होने के बाद 12 में छहवार तक एक एकत्र 360-39-100 उचित होता। परन्तु इस से नापालक वर्ष व्रतप्रतिवर्षीय व्रतों का विवरण द्वारा सिर्फ़ इसके बारे में है कि यह आलक वर्षों लाभ है, यही तो यह वालों द्वारा उचित रूप से निर्मित वर्षों वाले का विवरण रखती है, नहीं, सो क्यों?

三

१०. ग्रीष्म वर्षायन भवति—जल नहीं जल समाप्त विभाग, यह वर्षायन को वर्षा वर्षा के लिए यह वर्षा लोटी है जो खेड़ी जिले में अंडमान द्वीप के नजदीक घासा द्वारा पोषणिक ऊपर समाप्त हो जाती है।

(2) १०० वर्ष-वाले गरी हो रहे प्रोटीनिया की मरीजाहारा तक अंत्य रहने के पासला खाने का चाहने चाहने का राम भाई ३००० रुपये की बुधि लागतिकार रह जाते हैं;

(२) जो उपर्युक्त वार्ता के बाहर लाई गयी है, तो उसे वर्णन प्राप्तिरिक्ष में प्राप्ति-विवरण वह समाविश नहीं करती। इसका कल्पना करना विस्तृत रूपी है, तभी क्या ?

卷之三

२१७. श्री उमाहर्षि कहा— कभी भीतों, जल्दी करने विचार, यह बातोंने योग खोया होता है कि आप तो यह बात सोचते हैं कि एक विवाहीय वर्षार्थी चमड़े, वह एक वर्षार्थी गौरी, अन्नहार में मुख्यमंत्री। इस बातका खोया होने के लिये उपराक्ष ३ कर्यों २ लालू भवि अधिकार से गौरी से अन्नहार, नारायण दोषांश गाय त्रिसूल वाला बालों पर रखा है, वर्षा भीषण अन्नहार, भावामाला शोला जो बीच महात्माओं नयों ही, विसर्गे कुल का उत्तमांश वर्षा दुर्वासा के भविष्यत के द्वारा है, वर्षा ही, जो ज्ञान अस्ताना गौरी, अन्नहार, नारायण दोषांश के बीच महात्माओं को संग्रह करने वाला विचार रखते हैं, उन्होंने क्या कहा ?

卷之三

४७७०. श्री सधोदन दत्तजी—ममा माझे गानेगां जारी किला, तर कोलाहो जो उपास होगे ५
अद्य आवाजा नहीं हो। किंतु वस्तुत लिंग के खोट्या अपाराधक-२४ दिव्य के अवश्यकतामुळे ती ए
रावण, लक्ष्मी वारी वध जाने वालों जागतिक वैष्णवीकी लाभ हो जाएगा। अभी तरीके द्वारा
संस्कार उक्त प्रभ की वर्णनी करने घटे विचार रखती है, उसी तरीके द्वारा—

第10章

*120. मी बनारस में - क्या यहीं तक निश्चिन निष्ठा, कह दूधाम औ लूदा सरपा ही क्या
यह जाति रहती है कि धूकर निश्चिन अवश्यक प्रशासन के विपरीत बालों होकर प्रतिक्रिया की ओर उस
लाल गुड़तों तैयार करती है जिससे जाम उत्तम रखती है औ ऐसी बाल चुप्ति वह अन्दर को जायाजागरन में जाती है,
परन्तु वह यह सुनती है कि खाना पर आजाना तो निश्चिन कामे का लिया रखा है, उसी से

卷之三

*१२१. श्री नारायण आदाम—जहा भइ, प्राचीन कर्त्ता विद्याम् वह बालाजी की कृपा करोगे कि उसा यह जात सही है कि विद्यागम विद्यावर्गादि और वायामसं प्रशास्त्र के विद्योत्तु वेदान्त के विद्योत्तु विद्यावर्गस्ती नीक-सिंगादी मार्ग जो वैदेत तात्त्वी-साक्ष वे वन्देष्ट इष पर युक्त नहीं है विद्यम् गापाणी को बिला युद्धवल्ल आदि ये बाठिनाई-झाई वे, योद-जो, तो क्या सरलाह उक्त रम्यम् पर युक्त का विद्यम् करनें का विचार रखती है; तो, तो क्यों?

*722. ओ जगन्नाथ भाभी—वह मंत्री, यामीन कर्त्तव्य विभाग, वह बहलाने को लूप करने कि करने पहले सही है कि दरबंगा विधानसभा इसीपाठ पार मिल, हायापाठ सदृक पर बरसाने के समय नहीं जा याते आप फलों साकर सदृक के ढाप ऐ जाता है, जिसके कारण वे मामीना यदृक पर अवधारण प्रभावित होता है एवं स्वानोदय लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाई होती है, यदि तो, तो काम उत्तरात उक्त स्थान पर पुल वा निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक वा चौड़ावारण

*723. ओ राजू शर्मा—वह मंत्री, यामीन कर्त्तव्य विभाग, वह बहलाने को लूप करने कि करने पहले सही है कि सोलामधी विधानसभा प्रद्वंड चावपट्टी को पंचायत याचोपदी नगरा के गांवों देख ताजा सूखागाहा-प्रत्यापु-नियामी पार जरूर है, जिससे इन द्वेषी वे आम-आधाम, छाप-छापाक्षी एवं दोषमार्द वे लोग जारी रखते जाएं आवागमन में कठिनायों का गामत करने पड़ता है, यदि तो, तो क्या साकर उत्तरात सदृक का चौड़ावारण, प्रवालीवारण, ऊर्चेस्वारण, पुल-पुलिया-एवं फक्का नाला का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ पूर्ण करना

*724. ओ बालदाम शिंह—वह मंत्री, यामीन कर्त्तव्य विभाग, वह बहलाने को लूप करने कि करने पहले सही है कि भागलपुर विज्ञा के गोरखीड़ प्रशान्त और्मति प्रभाननदी यामीन सदृक मंत्रियों के कामियाएँ लालिलापुर से गवर्नरियों नीचे पाला पासवान दोस्त ब्रह्मगंगली स्थान तक पथ (2014-15) का निर्माण कामी याहुस हो धोरी गवि से चल रहा है, यदि तो, तो क्या सरलाह उत्तर पथ को निर्माण सम्पूर्ण या नूपुर याने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल करने

*725. ओ दिलाल उस—वह मंत्री, यामीन कर्त्तव्य विभाग, वह बहलाने को लूप करने कि करने पहले सही है कि सोलामधी विधानसभा घटनाकालीन विधायक-सभा के बहरां से दृष्टिकोण हस्तांतरी ताप से उत्तर उत्तरातर्दै जहो या पुल नहीं रहने जो करण प्रामीण्यों को आम-जाने में कठिनाई होती है, यदि तो, तो क्या साकर सरकार लायनार्ड नदी पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रधान ने कहा—

*726. श्री प्रधान ने कहा—क्या मंत्री आमोंग जाते विभाग, यह बालानने को कृत करने के प्रयत्न में जल लगा है कि नवांग विलास असाम विद्यालय प्रखण्ड में उत्तरी पश्चिम रियल विद्यालय से लगभग 1,200 आमदारों वाले आम-जाम्बुद में कोई प्रक्रिया पथ नहीं है, परि ही, क्या बालानों आम-विद्यालय से लगभग 1,200 विद्यालयी भौतिक दूर जात-जाम्बुद को बालानामी प्रक्रिया पथ से जोड़ने का विचार रखती है, यदि हो, तो क्यों ?

प्रधान ने कहा—

*727. श्री विप्रद ज्ञानराज—क्या मंत्री, प्रधान विद्यालय विभाग, यह बालानने को कृत करने के प्रयत्न में जल लगा है कि बालान विलास के शिल्पीहों से जात-जाम्बुद एवं एक एक जाती गाहतापूर्ण पथ आमोंग विद्यालय के अधीन आती है, विद्यालयों की जाती लगभग 40 किलोमीटर है, परि ही, तो जल सरकार उसी पथ का अधिप्राधार्य पथ विभाग में बताये रखने विद्यालय करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बालान ने कहा—

*728. श्री विप्रद ज्ञानराज—क्या मंत्री, जल सम्पादन विभाग, यह बालानने को कृत करने के—

(1) जल यह जल साठे है कि यात्रीसंघर्ष विलास के आमाद प्रखण्ड असामी उमामनपाट, जुहो अन्धाधित के बालाना तो पुरानी, असामी जलान्दे तिहां के खेत छक्का ऐप और उपर्युक्ती कठीय 40 वर्षों से नहीं की जाती है ;

(2) जल यह जल साठे है कि इस ऐन को बदला नहीं होने से इस लंबे ले लगभग 300 एकड़ पूर्ण जल सिल्लां के अभाव में जल भी खेत है ;

(3) परि उपर्युक्त खड़ों के ऊपर अधिकारीसंघ है, सो क्या सरकार उपर ऐन को उपरोक्त जल पालन आम विधान करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

प्रधान ने कहा—

*729. श्री असाम राजकर्मी—क्या मंत्री, आमोंग जल संघ विभाग, यह बालानने को कृत करने के क्षण प्रधान नहीं है कि औरागामी विलास-नीठ औरागामी प्रखण्ड के आम-बंडेल्हा में पूर्ण विभाग जल या से जलर है जिससे यह जाहनी का आमागमन पूर्ण तरह उप है, परि ही, तो क्या सरकार उपर जलर पूर्ण का जीलोंदार करकर आवागमन सुनिश्चित करने आ विभाग रखती है, नहीं, तो क्यों ?

三九四

*२०. भी धौत्रित हिं—पठा मरी, जह रामायण विभाग, यह पालामे को दृष्टि-करने विं अब यह बात नहीं है कि गोपाल विष्णु अलगी विशेष विवरणों की जरूरत है। यह विष्णुही न एवं इसी विवरणों से उदाहरण पढ़ने विकलाना है। तभी यही विषय विवरण है। यह विष्णु भी जूनपर का अवसर का अवसर बनाने से बालिका बनता है, वही ही, तो कब रामायण विवरण उकड़ाहा को विवरणी में विवरण कर रखा—मात्राम् जलामे का विवरण बनती है, नहीं, विं क्या?

卷之三

८७४. श्री नारद द्वारा—जहा तरे, प्रथम विकास विभाग, या विभाग को कृपा करोगे कि—
 ((1) एस-एस एल सरी है कि पश्चिम उत्तराखण्ड विभागाधीन अस्सिहर एवं बैरिंग प्रदेश आ भेदभ
 ज्ञान हु गया है, जिसकी महत्वाली विभाग इस वाली से प्राप्यक था ताक वर विकास जाता है।

- (2) जल संग्रह समिति के लिए वर्षां प्रत्यक्षी उन जल संग्रह समिति को ज्ञापन करें 2009 में दिया गया है, जोकिन जलसंग्रह समिति कोई रुक नहीं हुआ है।

(3) जल संग्रह समिति के गुण संविधानामूलक है, जो जल संग्रह समिति को विभिन्न विधि विधान समिक्षा बोर्ड में जाता है, जो क्या ?

संग्रह की खेती

२०३३. जू यार विभाग घटना—जमा भवे, एवं सिवाय विभाग वार विभाग को कुप्रापत्ति कि—
।।।।। कमा-यह बात यहाँ है कि घटना वाहर में जाता वह आजकल जा रहा है अतिरिक्त लात लगा के
सहै वह विभाग को आपना है, का उपर्युक्त वाले विषय में प्राप्त विषय गुप्त है;

- (3) अब तक जल सभी है कि विष्णु को दायें तुम् शुरु गोपिनं भिर्वा चो यज्ञविक्षुप्रसादावस्था।
 20) ते मधुव वासि धन्वं है, विष्णु एव-विष्णुः ॥ १३ ॥ लाय वद्युगुणकों को वसि चो वर्णवाणा है।

(4) वाद-उपर्युक्त शब्दों के इसके व्यापारात्मक है, तो यहां पाठ का नियमों लाई लापास देखताक
 में आधिक का लालाकार-लाल रूप करने का विचार रखना है, विष्णु के तुम-गोपिनं भिर्वा चो यज्ञविक्षु
 प्रसादावस्था परिचयों को व्यापारात्मक को संविधि धाय-करे-करे ॥

四百三

४७३३. श्री गांधीजी का सामना है—वह मरे, यार्मिल कानून विधायम्, वह जलसाते की कृपा दरोगा है—
 (१) जब यह कहा जाता है कि दूसरा विधायकात प्रत्याकृत प्रणाली के अधिनियमों द्वारा यह समाज का उपचारिक विधायक वह यार्मिल ग्रप का विद्युतीय अधिकारी नहीं है।

- (१) वह ग्राम सभी है जिह उत्तर पश्चिम का नियमाला नहीं होने से कठोरता रखता है तो इसका अधिकार भूमध्यसागर उपर्युक्त विभाग में काली असुविधा हो रही है :

(२) गांडी उपर्युक्त खाड़ी के उत्तर उपर्युक्त विभाग के हैं, जो वहाँ सरकार उपर्युक्त ग्रामों के लिए जाती हैं ?

Digitized by srujanika@gmail.com

*२३४. ये संस्कृत वैदिक-या संस्कृत वैदिक विद्याय, यह ज्ञानोन्मोहन करने की-

- (1) भारत का गांव है जिसे 240 करों जनसंख्या वाले ग्राम का नामकों बाहर से बोलते का विवेद तीर्थ 2010 में लिया गया है।

(2) यह गांव गांव है जिसे गोवान जिला वस्ती तार्गतानपुर प्रशासन के अन्तर्गत से विवेद तीर्थ द्वारा बोलती के बोल और लिया गया है। कल्पना सहका का नामक यहाँ लिया गया है।

(3) यह उपर्युक्त ग्रामों के ऊपर सीधारामपुर है, तो उसे सीधारा रक्त कहते हैं। सीधा रक्त यहाँ लिया गया है, नहीं तो क्यों?

三一七

*735. जी-एस० उपलेखन - कवि भरी, भारी, भारी सिभाग, यह जातको को कृष्ण करो कि यह नह याह जाहो है कि पूजी अध्यारण लिला के मध्यम प्रखण्ड के भारी युत में भारीपूर-भारीभा पूर के सिभाग काल ३ वर्ष से बढ़ रहे हैं, यदि तो, जो कवि सरसार उक्त सदृक का निश्चय करने का विचार रखती है, तो क्यों ?

संस्कृत तथा वाक्यकीयां

*736. बी. बौद्धायन चाहते—वा मरी, वह संसारमें विभाग, यह प्राणलाभ को कृपा करो कि पर्यावरण मात्र मरो है कि स्वप्नके विलासमें व्यवहार में एकको लाइफल तमा दर्शन करवा दिल (१) वर्षे में जीवन रहने के लाला अमर जन्मा को उत्तमामन में कठिनाई देता है, यही है, तो नमा सप्तकालीन तटपर्यावरण को प्रकोपकरण करते कि विचार रखती है, यही, यह क्या?

三

*738. **बी. इमाम उल्हास—स्थानीय वैभवका सम्बन्धांग—प्रियोक्ता विद्यालय ३, कालापुर, २०१६** को प्रकाशित शोधपत्र “तीव्रों ने समाज-हो रहे वास स्थान से बड़ा समाज” जी और असामाजिक कर्त्ता हुमें क्या भीती, तथा वास समाज कियाग, यह जलताने को क्या करेंगे यि क्या यह वास रासी है कि गल्ल के लालांग, गोपाल, जलतानांगन जैसे वास स्थानों में समाज हीने के सम्बन्ध में भूतल-जल वास सरांगों में घट रहा है, यदि ही, सो सर्वत्र भूतल वास यार जो व्यापक रखने हेतु काम-सी आरंभाई करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

वासदृष्ट वासु भरना।

*739. **बी. नव जूनार गग—क्षम भीं, तथा अल संसाधन विभाग, यह व्यापारों को क्या करेंगे यि क्या यह यह वास सही है कि मुख्यमंत्री विधानसभा मालीपुर प्रशान्त के नीचला एवं ऊपर के वर्षारिक गैरि, परियार पञ्चांग के नीचला गैरि एवं बलराज के बोटिं थोक पर विधान एवं विधानसभा नियमों का लोटिं ।० (एम) यहीं ने चेत है कि एवं चैनल लिंग्विट है, यदि ही, तो क्या सरकार उसी एवं कीर्तीय नियमों की धारा करने एवं चैनल नियमों करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?**

दूसरा का विमोण

*740. **बी. विजय व्यापार कंडारी—क्षम भीं, यामीण जारी विभाग, यह व्यापारों की कृषि जरूरि कि क्या यह यह जल सही है कि असिया विधानसभा पारिषिकर्मी प्रशान्त के असाम पंचायत में यामीण नदी के व्यापारों अट पर युत नहीं है, जिससे असामीं को आवागमन में डरिनार्ह हो रहा है, यदि ही, तो क्या सरकार यामीणला जल पर युल का नियमों करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?**

सदूच का विवरण

*741. **बी. जनन तामार—क्षम भीं, यह नियमों विभाग, यह जलसेने की कृषि करेंगे कि जल यह जल सही है कि दार्गाहांग विलान्तरी अलौली प्रशान्त में विलक्षी एवं व्यापक हो भवानी-पलाम पर्य जलर रखने के कारण वरासां के हिंडों भें भानी लग जाता है, जिससे आवागमन व्यापक हो जाता है, यदि ही, तो सरकार कवराक उक्त जंडी सदूच का गवांकरण कराका आवागमन लालित करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?**

पुल का निर्माण

*742. ओं शकोल अहमद जौ—क्या मंत्री, आमोण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह जात सही है कि कठिना जिलान्तरीत करना प्रखंड के टैक्सापुर घाट पर महानदी नदी पर युल नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार टैक्सापुर घाट पर युल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का निर्माण

*743. श्री गव फुमार राय—क्या मंत्री, आमोण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह जात सही है कि समरसोपुर जिलान्तरीत हसनपुर प्रखंड स्थित 81 नं० रोड मुख्य सहक गोदा-चौक से जिली प्रभालमंडी-सहक तक को सहक जर्बर है, जिस पर बाहने का भरिचालन पूर्णतः बद है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सहक का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*744. श्री चन्दन चूधार—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह जात सही है कि खानदिया विला के खण्डिया प्रखंड अंतर्गत जात कौदा-खानदी जिली के बीच जिरासो घाट पर युल नहीं रहने के कारण आमोणों को आने-जाने में कठिनाई होती है;
- (2) क्या यह जात सही है कि उक्त नदी पर युल नहीं होने के कारण खानदिया प्रखंड के कई पश्चात गड़क के होने पर में विभाजित है;
- (3) यदि उपर्युक्त संघों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त नदी पर युल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*745. ओं बुटिका प्रसाद राय—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह जात सही है कि सारल जिलान्तरीत तरीया प्रखंड में भट्टूमा धिक्कारी पथ एवं माधोपुस्तका पथ को बाइने के लिये माली नदी पर युल नहीं है, जिससे लोगों को उत्तरगम्य में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर युल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*746. श्री मुक्तिका मिहे यदृच— कवा गंगी, पार्वतीय कार्ये निभाग, चह बालाजे को कृष्ण करेग कि जवा यह खल सही है कि ज्ञानमयाद निरापद के ज्ञानमयाद उद्धुष्ट के परशुराममूर यथ से अमृतप्राप्त तक । १३ किम्भौऽ सदृक् पुनः सहित उसा पुरुषोऽप्य से परिष्ठारी मुद्दिष्य तक । ३ किम्भौऽ सदृक् पुनः सहित उसा निर्माण प्रसन्नतिव है, सहि तो, तो उसा उत्तमार उसा सहृदा का निर्माण कराने का विचार उत्थानी है, ताहीं तो अभी ?

खंड ४ शिवाय

*247. श्री मनोहर प्रमाद सिंह—कला नवीन, यामीन कार्य विभाग, यह बठताते को लूपा ऊरो कि कला एवं कला नवीन है कि काठिनार फिल्म के मनस्थानी प्रश्नोद्देश अंतर्गत 'बुद्धिमत्ता घास' एवं चाहाम के एक्टरपट से वायरल पर लाइसेंस दीवाने के नाम किसी भी मामूला का भर होते हुये उमसदूर जो प्रभ युक्त सदृक आचरणी रहने के कारण जाम जाता को अवधारणा में कठिनालयी कला यामीन बढ़ाता फ्रेगा है, और ही, जो कला गरकाह उपर सदृक वह नियमण करने का विचार करती है, उसे गो आई ?

前言

* 748. शो फैसाल अहमद—वस्ता भारी, वामपक्ष वर्षीय विधाया, यह अवलोकन के दृष्टा चाहे वह आप ही हों कि भाजपा ने वित्तालयांत्रिक विभागी और राजका प्रबंध में राजनीति नेतृत्वों के लकड़ गोप से प्रभावी रूप से बदल दिया है। इसके लिए उन्हें दूषि दूषि साक्षर के तिथे मार्च 2015-16 में कारण वर्णन सर्व का काम पुर्ण हो गया है। वित्तालय विपक्ष वामपक्ष वर्षीय उपराष्ट्रमंत्री, भाजपा वर्षीय एवं वर्षीय वित्तालय अधिकार के भर्ती भेदभाव दृष्टा है, यदि ही, तो वित्तालय अधिकार वामपक्ष वर्षीय विपक्ष वर्षीय उपराष्ट्रमंत्री से सर्व विपक्ष वर्षीय वित्तालय अधिकार के दृष्टि दृष्टि साक्षर का संपर्क नहीं हो सकता है, तबों तो क्या है?

第十一章

* 74% भी महाराष्ट्र प्रभाव चाहते - क्या यहीं, यह निम्नों निभाए, यह काल्पनि की सूची करते ही क्या कात सही है जिसका अपुर्ण निभाए जो यहाँतों से निभाए मात्र ताकि निभाए जो योजना थी तब यही अविभृत हुई रिकॉर्ड ताकि अपने के प्रतिभृतीहीं किया गया है, ताकि ही, यो काब समकार उसके पास का निभाए आई आर्द्ध कराने या निभाए सकती है, नहीं, सो क्यी ?

पूर्ण ज्ञान निर्माण

*750. श्री रामनाथसाहन मण्डल—ज्ञान भवीति, श्रम्येण ज्ञानं विभाग, यह ज्ञानात्मे की कृपा करेंगे कि यह यह ज्ञान सही है कि जीको दिलो को दुष्करात्मपुर, पर्वतोक्तया जहाँ में पूर्ण नहीं रहने के बास्तव उस इच्छाएँ को अव्याप्तिसंबन्ध में भरेगात्मा ही रही है, यदि ही, तो अथ ज्ञानकाम उक्त पूर्ण ज्ञान निर्माण करने का विचार रखेंगी है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण ज्ञान निर्माण एवं चौदोकरण

*751. श्री ब्रह्मोक्तशोर लिङ्-कर्मा भवीति, यथा निर्माण विभाग, ज्ञान-वित्तात्मे की कृपा करेंगे कि यह या ज्ञान सही है कि कन्मूर जिलान्तरात्म भगवान्नपुर-कौशल जल जलं एवं व्यस्त होते के कारण आवास्यन अभिषित है, यदि ही, तो ज्ञान सरकार उक्त यथा ज्ञान निर्माण एवं चौदोकरण का विचार रखेंगी है, नहीं, तो क्यों ?

धीरण का विवरण

*752. श्री अग्नार्द्ध मार्त्त्वी—ज्ञान भवीति, अथ ज्ञान संसाधन विभाग, यह ज्ञानात्मे श्री कृपा करोंगे कि यथा यह ज्ञान सही है कि जीको विभान्नतमेष्ट अमरपुर विभाग-ज्ञान के शम्भूपूर्ण ग्रन्थालय से गंगटी धीरण जहाँ जन्मे, जी वज्रह से अभ्युपर्याप्त प्रद्युम्न में कारोब एक दामार भक्ति में जान एवं रख्तो को फलत त्रिलोक के अन्तर्मूल में सूख जाते हैं तथा किसानों जो उनका लापत्त मूल्य भी नहीं विहृत जाता है, यदि ही, तो ज्ञान सरकार ज्ञान एवं विनाशक किसानों को फलत को सिद्धित करने का विचार रखेंगी है, नहीं, तो क्यों ?

सद्वक का प्रकारीकरण

*753. श्री रत्नेश मार्दु—ज्ञान भवीति, ज्ञान संसाधन विभाग, यह ज्ञानात्मे की कृपा करेंगे कि यह यह ज्ञान सही है कि महरसा जिलान्तरात्म जन्मा इट्टटी प्रद्युम्न के धर्मो पश्चायत महारथ स्थान से रसीदाम-उक्त जी सद्वक ज्ञान रहने के कारण आनन्दनों को उठने-जाने में अविनाशियों का ग्रामना करना पढ़ रहा है और व्यस्त हो दिये में उक्त सद्वक पर आनी जमा हो जाता है, यदि ही, तो ज्ञान सरकार उक्त सद्वक का सफलोत्तरण करने का विचार रखेंगी है, नहीं, तो क्यों ?

* 754. श्री रामचन्द्र सहारी—कथा भेंडी, श्रमीण जार्य विभाग, यह बललाने की कृपा करेंगे कि कथा यह चाहत सही है कि पूर्ण चम्पारण विला असंतुष्ट रामगढ़वा प्रबंध में प्रधानमंत्री ताप्ति सदृक गोवना को तात्पत्र असामन्तुष्टवादी के अधोन उड़क पौत्रलक्ष्मीदी ऐड से उत्तरांतर, तक विसको लगवाएँ 9.47। किसीनी, एकेज नं. श्रीजाम-ममवार-037 का निर्माण कार्य लिखा स्थानी कमनी 380 लिंग द्वारा वर्ष 2010 में प्रारंभ किया गया तथा 6-7 बाहे ही आवेदन कर दिया गया है जिससे आम जनता को आवागमन में असुरिया का आमना करना पड़ता है, यदि ही, तो क्या सरकार उठत सहार को अभूत जार्ये को पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पुल का धनर्विभाग

* 755. श्री लिला साहार केररा—कथा भेंडी, पथ निर्माण विभाग, यह बललाने की कृपा करेंगे कि कथा यह चाहत सही है कि अस्त्रिया विला के कारोपमान विवरण के अमीन पंचायत में भौतिक युद्ध का निर्माण 60 वर्ष पूर्व हुआ था, जो अब भेंडी ही नहीं है, यदि ही, तो क्या सरकार उपर पुल का धनर्विभाग बाहरने वा विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पुल का निर्माण

* 756. श्री अमरनाथ भाटी—कथा भेंडी, श्रमीण जार्य विभाग, यह बललाने की कृपा करेंगे कि कथा यह चाहत सही है कि दरभंगा विला-नागौत पौत्रलक्ष्मीदी पथ से गोकराडी पात में पौत्रलक्ष्मीदीएसलक्ष्मीदी पोखा के तहत पुल निर्माण हो वर्ष पूर्व से स्वीकृत है, किन्तु पुल का निर्माण नहीं दोने से श्रमीणों की समर्पक पर्याप्त नहीं मिल रहा है, यदि ही, तो क्या सरकार उठत उपाय पाए पुल का निर्माण कराने वा ताप्ति रेखी है, नहीं, तो क्यों?

वीवर का निर्माण

* 757. श्री निरिधरी घाट—कथा भेंडी, असंसाध्य विभाग, यह बललाने की कृपा करेंगे कि कथा यह चाहत सही है कि बौका विलानुर्गा धुटियारा, तुमरी बीवर तथा कालिया नदी में धुटियारा बीवर का निर्माण नहीं होने वे गुला दुधर प्रवाह के द्वात अस्तित्व है, यदि ही, तो क्या 1.2कार दृष्टिकृत धौंगे बीवरे का निर्माण में निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

*758. दूँ^० अधोक्षेत्र कुमार—वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बललालन की कृपा करने

(1) क्या यह चाह सही है कि समस्तीपुर जिला के शिक्षावीकार प्रबंध अधिकारी खलीपुर, हामोगांठ घाट पथ से अवस्थित पुल का नियोग वर्ष 2014 में हुआ है;

(2) क्या यह चाह सही है कि इकल पुल के पासे पथ का नियोग अवलोक नहीं होने के कारण पुल पर अव्याप्तमान आवरुद्ध है;

(3) यदि उपर्युक्त चाहों के उल्लंघनान्वयन हैं, तो क्या सरकार उक्त पुल का पूर्ण पथ का नियोग करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सहक का नियोग

*759. दूँ^० मुमोल कुमार—वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बललालन की कृपा करें कि वह यह चाह सही है कि नालंदा जिला के विहारशाश्वीक प्रशास्त्र में विहार शहरी द्वाद ये दूसराके जान बानो साक्षर विद्या धैर्य वर्षी में जारी है, जिसके कारण अव्याप्तमान यादिन है, यदि हो, तो वह सरकार उक्त सामुदायिक भवन का नियोग कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सामुदायिक भवन का नियोग

*760. दूँ^० शिवन्द यादव—वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बललालन की कृपा करें कि वह यह चाह सही है कि जमुई जिला के खलीपुर गांडोड़ के मौजानवा गोरा गाँव में सामुदायिक भवन का नियोग कार्य प्रक वर्ष गुरु गोपी फिल जाता है, जल्दी नियोग कार्य भवितव्य अभ्यास यहां है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सामुदायिक भवन का नियोग करने पर्यंत उसमें वा निचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

दोषों पर कार्रवाई

*761. दूँ^० प्रमोद कुमार—वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बललालन की कृपा करें कि वह यह चाह सही है कि पूर्वी बाम्पाराम जिला के भोलिहारी प्रखण्ड अधिकारी खूचारी देवी चौक में सूर्वा लोकगांधीपुर पथ, चौपरा कोटी प्रखण्ड के छत्तरी भूमाडी द्वाला से रिरमा चौपरा, गठन-प्रयोग 25 वर्षों कोटी विव योगिर में खलीपुर आया आद्यागांधी, भठगांधाल चौक पथ वर्ष 2009-10 से ही उपर्युक्ती सहक योजना-के अंतर्गत नियोगाधीन है, जिसकी नियोग की समय-सीमा बोल चुका है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सहक का नियोग पूर्ण कराते हुए अवधारणा नियोग नहीं करने वाले संवेदक एवं अधिकारी को विकाद दार्शनाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

मध्यक वा प्रकारकरण

* 762. श्री रत्नेश महाराज—कथा भवति, आमोग कार्ये विभाग, यह आवासन की कृपा करो कि क्या यह बहुत मही है कि यद्यपि विलानीपति असंकेत ने वर्षों द्वारा आवासन के उभयतरा रक्त दोलन से आवासन के पास में एवं इच्छाम जन्मना आवासनीक दोलन में यह आवासन दोष द्वारा विद्युतम् बन्दूसन एवं यों सहक चिह्न हैं यार्थे में जारी हैं, जिसमें आवासन को आवासन में जानी कावियानों होती हैं, परि हीं तो क्या साराकार उक्त उद्योग का प्रकारकरण करने का विधान नहीं है, नहीं, तो क्यों ?

गध का पुनर्विभाग

* 763. श्री अद्यारूप उरुलाम जलीन—कथा भवति, पथ विभाग विभाग, यह आवासन की कृपा करो कि क्या यह यह यह यह है कि यसदर्तीपुर विलानीपति उमपाटीपुर प्रखण्ड के मांडपापुर (हमनपुर) (पर्वतपुर) उमपुर विलानीपुर (हमनपुर) के विकट के भाग विलानीपुर चौक, लक्ष्मीनगर, लिलाकर जात, दीर्घापुर, उमपाटीपुर विलानीपुर (हमनपुर) द्वारा चौक खुमारी द्वारा दूष भवण चौक अम्बली शम्भीपुर महाक जल एवं भूमीपुर के विकट कार्य जाग जाग को आवासन में प्राप्तानीयों का सामग्रा बरता रहता है, परि हीं तो क्या सरकार उक्त अम्बली शम्भीपुर को सहक की आवासीयों पथ में आवासनीक तर उसका पुनर्विभाग जारी करना चाहती है, ताहो, तो क्या ?

पथ का तोलानीकरण

* 764. श्री हरिनारायण लिङ्ग—कथा भवति, आमोग कार्ये विभाग, यह आवासन की कृपा करो कि क्या यह यह यह है कि कल्याण विलानीपति आमोग कार्ये विभाग द्वारा उभयतर दोलन के चलते योगदस्तीपुर लाक उभयतर मध्य में ग्राम-बोंडपुर के एनापथ ३०५ नम्बर विलानीपुर लाक उभयतर द्वारा मिठूपथ है, जो जलें विभिन्न में हैं, जिसमें लागभाग बोंस हजार आवासीयों को आवासन में बोहिनाई होती है, परि हीं तो क्या सरकार उक्त पथ का जीणीद्वारा कारण चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ विभाग

* 765. श्री कंदार द्वयाम गुजार—कथा भवति, आमोग कार्ये विभाग यह आवासन की कृपा करो कि क्या यह यह यह यह है कि मुजफ्फरपुर विलानीपति की कृपानी प्रखण्ड अक्षगत वलीसीहुस में आवासीय पथ अधिक है, जो अनुकूलण होते रहें। मैं प्रस्तावित हूँ, जो कृपानी बेल्जे न्योगन, कृपानी भाजा, कृपानी भाजा, कृपानी सीधेवामी एवं एमापथ २२ की जोहरी है, परि हीं तो क्या सरकार उक्त पथ को विभासन का विकार रखती है, ताहो, तो क्या ?

लटबंध का जीणोद्धार

*766. श्री प्रसाद कुमार—क्षमा भवी, जल संग्रहन विभाग, यह बालाने की कृपा करें दि—

(1) क्षमा यह जात रही कि मध्य ओमारण विला अरण्ड खोलियों प्रखण्ड और गोपाळों द्वारा जारी भाग में कटाई, रामगढ़ी, रम्याशाही, यमगढ़ी, छतीयों, सतपुर, हरन, दिकुलिया, बरदाही, मधुबनी भाट एवं उत्ती भाट में भी हड्डी की आवादी बसी हुई है;

(2) क्षमा यह जात रही है कि विकासना लटबंध के जारी भाग एवं दार्थी भाग में सुखलव्यक गाँठों की अभाव एवं तापेणों का अभाव नहीं होने के कारण यह जा जाती है और आमदन प्रभावित होते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्षमा मरकार विकासना लटबंध के जारी एवं दार्थी भाग जीणोद्धार करने का विचार रखती है, हाँ, तो क्षमा ?

नला का निर्माण

*767. श्री कृष्णनाथ मिश्र—क्षमा भवी, लखु जल संग्रहन विभाग, यह बालाने की कृपा करें दि— क्षमा यह जात रही कि गुरुगंगाली मध्यांड प्रखण्ड के भावलपुर पश्चापत में जाम भवलपुर में दमुक्केल जातु अवस्था में है, गर्नु दमुक्केल के पास नाला नहीं रहने के कारण वहाँ के किलानों को सिंचाई करने में कठिनाई हो रही है, यदि ही, तो क्षमा मरकार उक्त दमुक्केल के नाला का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्षमा ?

सिंचाई उपलब्ध कराना

*768. श्री शत्रुघ्न विलारो—क्षमा भवी, लखु जल संग्रहन विभाग, यह बालाने की कृपा करें दि—

(1) क्षमा यह जात रही कि मालांग विलानगाँठ अमरीर प्रखण्ड के अंकुरी विलां तीन बाईं से 20 स्टेट घोरि उत्तर है;

(2) क्षमा यह जात रही है कि स्टेट घोरि खाराप रहने से फिलांच को सिंचाई में कठिनाई हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्षमा मरकार उपर्युक्त स्टेट घोरि घोरि बाहाकर विलानगाँठ को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्षमा ?

पथ का जीणोद्धार

*769. श्री कृष्ण कुमार चौधरी—क्षमा भवी, प्रायोग जारी विभाग, यह बालाने की कृपा करें दि— क्षमा यह जात रही कि भूर्णीपुर विलानगाँठ बगमली प्रखण्ड की एन०एच० 107 चूटहरी जीवा से पीपा हाते दुर्योगकारक तक पथ विलग 3 बाईं से जारी है, यदि ही, तो क्षमा मरकार उक्त पथ का जीणोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्षमा ?

*770. श्रीमती गायत्री देवी—मम भवी, ममु अब संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृपा करोगे कि क्या यह चालू जही कि इसकी थी। आरटीवीएफ के रैम्से से सीलामडी जिला के खंडित एवं उत्तरपश्चिम प्रदेश में चालौन स्टेट फोर्म जारी 2009-10 में चाहूँ गये थे, परन्तु अवश्यक कोई चोरिं चालू नहीं हो। सका है, जहि हो, तो क्या भरकार डक्ट स्टेट फोर्म को चालू कराने का विचार रखाती है, महीं, तो क्यों ?

सहक का पुनर्नियोग

*771. श्री उपभेदक राष्ट्र—क्या भवी, प्रमोण कर्तव विभाग, यह बदलाने की कृपा करोगे कि—

(1) क्या यह यह यह यही कि मधुबनी जिलान्दारांत तुटीना प्रदेश मुख्यालय से सदरनियों प्रदेश के बरोदियाही, यज्ञहरय तक जाने याती सहक जबर है ;

(2) क्या यह यह यह मही है कि यह सहक ये प्रधान एवं ये विधान-सभा थेट भ्रमण; सीकारा एवं कायदारही को जोड़ती है ;

(3) क्या उपर्युक्त संघों के ऊपर स्वीकारायक हैं, ये जब भरकार डक्ट सहक का पुनर्नियोग जाने का विचार रखती है, तहीं, तो क्यों ?

एथ का नियमित

*772. श्रीमती गृहसज्जा देवी—मम भवी, जहा संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृपा करोगे कि क्या यह यह यह मही कि मधुबनी एवं सुपौत्र जिला को जोड़ने याता निमंत्तो-फोर्मदीहा लिंक पर का नियमित जाते स्वेच्छ द्वारा 2-साल पूर्व ढांग दिया गया है, जिससे नपुवनी एवं सुपौत्र जिला को साझी की आवाही को अवागमन में बढ़ावाही होती है, यादि हो, तो क्या भरकार डक्ट नियमित पर का नियमित बदलाने का विचार रखती है, तहीं, तो क्यों ?

सहक का नियमित

*773. श्री सेवद गाय देवजना—क्या भवी, गायों कर्तव विभाग, यह बदलाने की कृपा करोगे कि क्या यह यह यही कि सीलामडी जिले के चैम्पिन प्रधानपद बंडेगत ग्राम पंचायत चयुक्ति में खोरिया से दामोदरपट्टी होते हुए चयुक्ति तक, बदुपट्टी पन०पन० 104 से दिक्षरे तक तथा मुरहरी ठेके तक खोरिया तक सहक कर्तव्ये एवं बजार रहने के बारा आम लोगों को आवागमन में बढ़ावाही होती है, यादि हो, तो क्या भरकार डक्ट स्वयंप्रयोग प्राप्त नियमित बदलाने का विचार रखती है, तहीं, तो क्यों ?

*774. कौमती गुलनगर देवी— क्या मंडी, पथ निर्माण विभाग, यह बहालाने को कृपा करेंगे कि क्या यह यह चल सकती है कि मधुबली जिला अवरीय धोपटाड़ीहा प्रखंड नियत धोपटाड़ीहा हटनी घोड़जलनड़ी। पथ निर्माण विभाग की भाइयों में उच्च भाइयों उद्दीपनी सौल का निर्माण तीन खाल पूर्व हो चुका है, परन्तु इसके दोषों द्वारा पैदल के समझके पथ को प्रदक्षिणकारण का कार्य छोड़ दिया भव्य है, जिससे आवागमन में असुविधा हो रही है, यदि ही, तो क्या सरकार जीवित पथ का याकौशलण कारन जा विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*775. सो अविद्यु रामन— क्या मंडी, जल समाधन विभाग, यह बहालाने को कृपा करें ताकि क्या यह चल सकता है कि असरिया जिला के असरिया प्रखंड अन्यांत आवागमन विचारी प्रचापत के 155 एक्कोंमी। पुल की टोकोराम-द्वारा बाहु दिया गया है, जिससे आवागमन योग्यता है, मंडी ही, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

पुल का निर्माण

*776. गों शमीम अहमद— क्या मंडी, यांगोन कार्य विभाग, यह बहालाने को कृपा करेंगे कि क्या यह चल सकती है कि गुरी चम्पारण जिला के गोंदारानो प्रखंड अन्यांत विशुनपुरा भर्त के सम्पर्य नदी में पुल नहीं रखने के कारण इस खेड़ के लगभग 25 हजार ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*777. सो शमीर कुमार महासेठ— क्या मंडी, पथ निर्माण विभाग, यह बहालाने को कृपा करेंगे कि क्या यह चल सकती है कि मधुबली जिलानीसु गुजरानगर प्रखंड को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली, गुजरानगर-पिलखानार-चौटी पथ एवं यहाँ से जाने है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण जराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*-7% ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ— ਅਗ ਸੀਮਾ ਪ੍ਰਦੰਸ਼ ਕਾਰੋਬਾਰ, ਹਰ ਵੇਤਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰ ਦੱਸੇ ਕਿ

(१) कम-से कम तीन हिंदू महाराष्ट्र विद्यालयों द्वारा प्रति वर्ष भागीरथ से नवदेविया लिपि
द्वारा अधिकारी भाषावाची शब्दों वाली सदस्या बनारे जाते हैं;

(2) यह बात भी है कि लिप्त 10 वर्षों से उनके पथ को, भवित्वातीत का कोई नहीं किया गया है, जिससे अवाक्यमत बनपति है।

(३) भूमि उपर्युक्त गुरुत्व के रूप संवेदनशील है, (४) वाया सद्विकार-विकास पर्याय को समर्पिती वाचनाम् वा विवार रखती है, तथा, जो क्रमसंबंध महीने ता करते ?

三〇九

* 770. श्री देवेश चतुर्थ मात्रा— अप्य एति प्रमाणे जाप्तं विषयं तद उत्तराते तो रूपे कर्ता एव वस्त्र
पह वात सही है कि सहरसा विषयात्मक भलेखुः उत्तर के लोकियो विषयम् वीरघण्ठांशोऽप्यमुख्ये
भद्रम् से कासी चाहि तक भाषा औसती मूलती के बीच प्रभी भद्रः-नहीं रहने से आप जागे वा दरक्षत
जानें हैं, परे ही, तो क्या भरकार उपर भद्र (वायाजी कड़ी जाता पर मूल चाहिय) का निपाता करने
एवं विषय गमयी है उहीं तो क्या ?

१०४

行書兩漢書

*१५। श्री मोहनाम वाणी— यथा मंत्री, आमीरा, कार्ये विभाग, पह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह घास गहरी है जिस वश्वासनी विद्यालयाते वालोंटटे उभित खड़ीना से तात्पुर योंक लकड़े विद्युत भवित्व विद्या में उत्तर उत्तर के बदला अम बनवा को असामियन में कठिनतर होती है। चैंड हाँ, श्री अम भवाकार उपलब्ध का प्रक्रियाकार ज्ञाने विद्या संस्कृत है, जही, तो क्यों?

प्रश्न तथा जवाबोंकरण

*782. बी. राजेश उद्धव—यह मंत्री, अमीर कार्य विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या पर्याप्त योग्यता है कि ग्राम-विकास के गुरुत्व प्रसाद आवास बोर्ड ने लोटेजों तक काली धर्म है, यदि तो तो क्या सरकार उक्त धर्म का विकास चाहती है, यदि से अर्थ ?

पुल का निर्माण

*783. बी. (मो.) नेमानन्दाहु—यहा मंत्री, पर्याप्त विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या यह योग्य सही है कि भौतिकाग्रज विकासाग्रह बोर्डों प्रशासन के नियंत्रिकाओं पर्याप्त उत्तराधार प्रबंध के अनुभा वा औपचारिक नहीं पर युत बनाने का प्रस्ताव वर्ष 2014-15 से है, जोकि उक्त स्थान पर अधिक पुल नहीं बनाने के कारण सोमों की जागरूकता में फैलावाही का सामना करना चाहूँ रात है, तो तो क्या सरकार अवधारणा उक्त स्थान पर पुल निर्माण करना चाहती है, तो तो क्या ?

घोष तथा विवरण

*784. बी. बाराह विजू—यहा मंत्री, उक्त स्थान विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या यह योग्य है कि एकांक विकास अधिकारी इकाई के भौतिक जागरूकता के सारणी वित्ती कानून विवरण की बहुत है, विभाग याम-नारायणपुर, चारापाहुर के कानूनों को लिखते हैं कोटिहारी होती है, यही ही तो क्या सरकार उक्त इकाई के दोनों बोर्डों के विविकार का विचार रखती है, तो तो क्या ?

सदक का निर्माण

*785. बी. महेश्वर प्रसाद गाठव—यहा मंत्री, अमीर कार्य विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि—

(1) पर्याप्त योग्यता है कि भूजपपारपुर विकासाग्रही साधनार्थ प्रबंध के गोपन विकास नियम वाहन-सुधारी सुचन ग्रहण से अनुसूचित जाति टोक्स नामेन्द्र सम के यह छह अमे-जाति के असर्वे कोई सर्वोन्निक रासवा नहीं है ;

(2) क्या यह योग्य है कि उक्त टोक्स में रहने वाले लोगों को साधारणता में लिखित हो रही है ;

(3) क्या उपर्युक्त खातों के बड़ा सार्विकासामयक है, तो क्या सरकार जमीन अधिग्राहण करके उक्त घेला के दिये सुदूर निर्माण करने का विचार रखती है, तो तो क्या तो तो ?

सिंचाई सुविधा देना

*786. श्री मिशिपारी चाहवा- क्या यही, जब समाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें तो उस पर यह चाह सही है कि यौवा विलासगंगा येलहरना डैम से नीचे जाने के अवकूप देंगा, सेमटिक विनोदमार, मिट्टा भूईयांडील एवं छुटिया गैल के किसीजून को लिखाव होते परन्तु उपलब्ध नहीं हो जाए, जिसमें आहमाम है, यदि हो, तो उस तरकार उक्त गैलों के खेतों तक जाने पहुँचने की अवधि करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का पुनर्निर्माण

*787. श्री मनोरजन फिरि-—क्या यही, जब समाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें तो—

- (1) यह पर यह यह सही है कि सीबन विला के भगवान्नपूर प्रखेंड जलधि पोपडा विलारणी नदी के 2.00 अरेंडों पर धाम-चारोंनी, गिरियोगा में बना नहर तुल जर्वर हो गया है ;
 - (2) क्या यह यह सही है कि महाराष्ट्र अनुमंडल एवं मराठक को जोड़ने वाली मुख्य सड़क उक्त पुल से गुजरती है ;
 - (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर भवानीताप्तक हैं, तो उस तरकार उक्त नहर पुल का पुनर्निर्माण कराने का विचार रखती है, तो, तो क्याक, नहीं, तो क्यों ?
-

लेन परिवर्तित करना

*788. श्री तारीकशीर त्रिपात्री- क्या यही, यह नियोग प्रभाग, यह बतलाने को कृपा करें तो उस पर यह यह सही है कि पथ नियोग प्रभाग, कठिनार विभाग भवनी-हस्तगंगा-भवना भैया चन्द्रगा चौक एवं ०३०२००३०० विभागीय पथ का सिंगल लेन होने के कारण जाहन के आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हो, तो क्या मराठक उक्त पथ को इन्द्रामोहिएट लेन में परिवर्तित कराने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

संचालित करना

*789. श्री महावेद आलम-—क्या यही, जब समाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें तो उस पर यह यह सही है कि कठिनार विला के बारसोंई में पर्द, 2015 में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना तेलकालीन सरकार द्वारा को गयी थी और उसका भवन भी उपलब्ध है, परन्तु उक्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का संचालन व प्रबाई कार्य कठिनार शहर में भस्त्रा जा रहा है, जिससे बारसोंई के छात्रों को काली कठिनाई हो रही है, यदि हो, तो क्या मराठक उक्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को बारसोंई स्थित अपने भवन से संचालित करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

*790. श्री शिवदय शर्मा—क्या मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह आप मंडी है कि प० चम्पाराज विधानसभा नस्कटियामोज विधान-सभा क्षेत्र के गोदानवा वंचायत के ग्राम-ठाना के माटे पूर्व विधान नहीं पर तुल नहीं है एवं गोदानवा वंचायत संघर्ष, ग्रामसभारिया द्वे ठाना-साक्षात्कान निवासों सहृद कहती है, जो आवायी के बाद से अधीक्षण नहीं करा है, परि ही, तो क्या सरकार डाका पूल एवं सहृद का विधायिक कारने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भावन लगाना

*791. श्री प्रधान यादव—क्या मंडी, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखोसराय जिला के लखोसराय प्रशासक का भवन तुरंत एवं जलत है, परि ही, तो क्या सरकार लखोसराय प्रशासक का नया भवन बतलाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ताला का निर्णय

*792. श्री मुरेश कुमार शर्मा—क्या मंडी, पूर्व विधायिक विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि मुख्यमन्त्रीजिला के भूजपक्षरपुर इकाई के पद्धति में जीवधारी द्वारा से अखाड़ा काट पुल होते हुये और माईंग तक जाने वाली सहृद का विधायिक विभाग को है;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ के दोनों तरफ घनी आफवी है तथा सहृद का पगड़ से कोई नाला नहीं है, जिस कारण जीवधारी द्वारा से अखाड़ा पट्ट पूल तक कई मुहल्लों के पासी की निकासी में पोछानी हो रही है;
- (3) क्यों उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सहृद में दोनों तरफ नाला निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का पालनीकारण

*793. श्री गांधीन नंदन—क्या मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गंगा जिला के गुरुआ प्रशासक अन्यांत अमरपुर, पवार, मटुआ, अकोशरा तथा तांती तक रखती पथ है, परि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ का पालनीकारण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*७१. श्री मेवालाल चौधरी—क्षमा मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, यह बलात्मक को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर ज़िला के गारापुर प्रखण्ड ललापेठ गांवापुर ज़िला (ज़ोल्कम) में भीनी होते हुये गांवापुर तक सहक का नियोग नहीं होने से गांवापुर ज़खर में प्रबंधक दिव ट्रैफिक ज़म्म हो जाता है तथा आम लोगों जो वाहनामन में बोलियाँ होती हैं, तभी ही, तो उन्हें सरकार उक्त सहक का नियोग उपरोक्त का विषय सही है, नहीं, तो क्यों ?

सदृश लोक नियोग

*७२. ओमली इच्छा जात्रा—क्षमा मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बलात्मक को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि समस्तीष्य ज़िलानगरीय पटीरी प्रखण्ड के गारापुर गांवापुर के गारापुर चौक से गारापुरहै। तक एवं नदीनी रुचापत में यक्कलडो ऐ पलापुर तक त्रिपुर गांवापुर में जावी पाखर में यक्कलर आरही, मिमान तक सहक नियोग को नियोग वर्ग २०।१५-१६ में शीक्षक की रूपी, लेकिन अपीलक गहर कियोग करने शुरू जी किया गया है, अर्दि ही, तो क्षमा सरकार उक्त सहको का नियोग करने का विषय रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति बट्टा

*७३. श्री रवीन्द्र सिंह—क्षमा मंत्री, पम नियोग विभाग, यह ज़ालाने को कृपा करें कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दिनांक २७ अगस्त, २०१३ के बिल अनुपमण्ड मिमी, पटना की विभाग में और सन्नी गृहाम, ती चंचल गृहाम जिला एवं अन्य को पर्यांत के लिए पर अपीलक अधिकारी, गान्धीगढ़ उच्च पद, कर्तवी अधिकारी, पटना में नियुक्ति हुए अनुसंधान की गयी है;

(२) क्षमा यह बात सही है कि अपीलक अधिकारी, गान्धीगढ़ पद, कार्य अधिकारी, पटना में वर्ग-३ का पर विकास पर भी और सन्नी गृहाम पर अन्य को नियुक्ति अनुसंधान (वर्ग-४) के पद की गयी है;

(३) यदि उपर्युक्त उपरोक्त के इच्छा अधिकारागमन है, तो क्षमा ज़ालाने अनुक्रम मिमी को अनुशासन के आलोक में और सन्नी गृहाम एवं अन्य को नियुक्ति वर्ग-३ के पद पर करने का विषय रखती है, तो क्षमा अधिकारी, भी, क्यों ?

जोलना गूर्ज ज़राना

*७४. श्री विजय कुमार 'विजय'—क्षमा मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह भागतम को कृपा करें कि—

(१) क्षमा यह बात सही है कि मुंगेर ज़िलानगरीय मंगा-नदी पर नियोगाधीन रेल-ज़म लाहक पुल से दूष प्रैग नदी के ऊपर किनारे पर १० से १२ किलोमीटर लंबे कटाय दें २१ गेंडे के एक साथ की आपायी विस्थापित भौम के कागार है;

(२) क्षमा यह बात सही है कि दिनांक १ अगस्त, २०१६ के गंगा मंदी को मुंगेर झाट से टोकामाम्पुर तक काटव नियोगक कार्य हेतु ६१.६७ करोड़ रुपये मंजूरी दी गयी, परन्तु कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ;

(३) यदि उपर्युक्त उपरोक्त के उस आकारागमन है, तो सरकार कानाक उक्त उपरोक्त को पूछ करने का विषय रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियमण आदि वार्ता

*798. श्री चैत्राव आमदु—कर्म संबी, लक्ष्म जल संग्रहण विभाग, यह बहलाने को योग्य करने के बाहे यह बात सही कि अपुर्वनी विद्या का एकिका इन्हें नियमण विभाग (सांव-वार्ताग) में नामांक चुन दी गयी है औ उसी विभाग को अंतर्गत डीजेस आपारिंग एक स्टेट नियमण का नियमण वर्ष 2001 में लिखा गया था, जिसके जनरलर ने लिखा वर्ष 2007 में उसे गमो भी, गर्द भी, तो उस समान लिखो के लियाँ जो लिखनी को लिखाई सुनिक्षा उपलब्ध करने हेतु उसका स्थान पर विद्युत ट्रांसफरीमर अधिकारियों कर नियमण को वास्तु बारते या लिखा रखती है, तभी, वो क्या ?

सहकार बनाना

*799. श्री विनोद कुमार योगिनी—कर्म संबी, फलोण जल संग्रहण, यह बहलाने की कृपा करें कि—
(1) क्या यह बात सही कि पूर्णिमी विद्या पूर्णिमा पूर्ण प्रदृढ अंतर्गत अवैष्ण द्वचालक में वैरथ्यम् यामी आवादी-या पूर्ण-गांव है जहाँ महादिला, आरिचासी एवं नीनिया जाकि के गरीब नजदीर, जिलान नियमण करते हैं ;

(2) क्यु यह यह यह यह है कि विद्यु विद्युता-पूर्णिमी विद्या भुख्यालाय से 6 किमी एवं हरदा याता, वे 4.5 किमी को भूमि पर अवैष्णवी हैं ;

(3) क्या यह यह यह सही है कि जहाँ के स्थान काम करने एवं देखरेह की बहलाने को पूर्ण करने के लिये घोटी गयी यार करके 15 से 20 किमी की दूरी तय कर प्रतिविन पूर्णिमा एवं हरदा याता जाते हैं ;

(4) परि इन्हीन ज़ीदों के उच्च द्वीपांशुभूक हैं, तो क्या मध्यम उच्च गाँवों में युवा एवं विद्युत चौक से फिरता टाला, लालागंव तक महङ्क बनाने का विचार लेंदो है, तो, तो क्यु ताक, ताँ, तो क्यो ?

काम योद्धा बनाना

*800. श्री भीम यादव—कर्म संबी, जल संग्रहण विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या यह यह यह सही है कि वर्षभी विद्या में व्याप्तिपुर प्रस्तुपद अंतर्गत मोहनवेदा भवामत प्रव उद्योग-महायाम विचायत में सर्वरता जौह, लेहारा तौह, लेवडी जौह एवं शिरोता जौह में हजारों लकड़ जलीय भालूंभर जरूर आवश्यकता है जिससे यहाँ कृषि कार्य बाधित है, परि तो, तो इसे दूर करने के लिये यात्राएँ की जौन-सी जारी योजना है ?

अव्याप्ति बहाल करना

*801. श्री रमेश प्रसाद विश्वा—कर्म संबी, जल संग्रहण विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या यह यह सही है कि पूर्णी तमाजाल विद्या के लोटक प्रबद्ध के लियहु मुख्य नहर में फोटो रातापर, परमो महङ्क में रिपेक के यह नहर का युत समित्यस्त हो जाने में जाएँ अव्याप्ति बाधित हो गया है, परि तो, तो क्या सरकार उत्तर पूल या नये लिंग से नियमी लकड़कर अव्याप्ति जाता करने का विचार लेंदो है, तो, तो क्यो ?

पुल का निर्माण

*802. बी (मो०) आगाम अत्यन्त - करा मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करो कि क्या यह बह जली कि धूपियों विलासित बहलाने के पहले ही तो यह याद यह नह जल 25 मार्च से दूष हुआ है, यदि है, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अवैध निकासी को जीव

*803. बी अग्रिम जूनार - करा मंडी, एव्हेयले यह विभाग, यह बहलाने की कृपा करो कि उस बह जली कि गोपालदो विलासित दूषणी प्रवाह को 11 पद्धानदो के ग्रामाकल मद म बी-आठनोवेंफ० मे जलाया 55 लक्ष लाख लाख चतुर्वें विकास गोपना मद मे दिवाळ 24 मार्च, 2013 को चंक संख्या 43091 से 2.50 लाख, चंक संख्या 43092 से 3.50 लाख लाख तथा दिवाळ 7 दिसम्बर, 2014 को चंक संख्या 1015 से 4 लाख अमरा विलासित मनियो जो दिया गया, परन्तु निवाक 10 फरवरी, 2016 तक एक भी ज्ञापाकाल की इवाना-नडी फर राशि का गोपाला बार दिया गया है, यदि है, तो सरकार ज्ञापाकाल मद मे जलाया 61 लाख हप्ते बाट अवैध निकासी और गर्भी चौकी की जीव अवश्यक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का निर्माण

*804. बी गोपेश्वर किंदि - करा मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करो कि क्या यह बह जली कि गोपालदो विलासित को प्रबंध दूषणी के द्वारा एव्हेयले तजत लानेवाले में ग्राम-छोड़म सह के दोले से परिवर्म तरफ जाए फिरा आर्द्धेंवाले पर तक जारेपासी सहक लंबा हो जले के लालन आम तरह के आधारामन में काठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि है, तो क्या सरकार उक्त सहक का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*805. ओ (डॉ) शमीय जलमद - करा मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करो कि क्या यह बह जल जली कि धूपियों चम्पारण विलासित बी बजरिया-प्रसाद-झोलीत संभरहिनी याट पर दिवाल मदी मे पुल एवं अवकटवा गोप बी पाथ सिधुआ चम्पा पर पुल नहीं रहने के कारण धूपियों द्वारा एवं विश्वाणी ग्रामीणों द्वारा ज्ञापाकाल में जारियाँ होती है, यदि है, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर पुल निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूल का नियमण

* 806. दीपाली लेजी सिंह—जल संग्रह विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि जल यह जल मारी है कि यूपीएसॉ जिला जो अमरदाहा प्रखंड अधिकृत अमरदाहा विधायी में 87 बारडौ^० तथा 95 बारडौ^० का बीच नहर पर यह जल मारी होने के कारण योग्यताप्राप्त एम्बेड्डा दाम दोस्त के उम्मीदवारों को अकाशमन से कठिनताओं का सामना करना पड़ता है, यहाँ ही तो क्या सरकार अमरदाहा विधायी के उक्त अम्बेड्डा का पुल नियमण का विवाद रखती है, तबीं तो क्यों ?

पूल का नियमण

* 807. श्री कमल अव्वेंट—कृष्ण मंडी, पृथ नियमण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि जल यह जल मारी है कि एक जिलान्तरीय कलोलपुर प्रखंड में इमार नदी के कान्डिया घाट पर पूल नहीं बांद के कारण अमरदाहा को जिला अमरदाहा में बाहिनी में बांदिया हातों है, यहाँ ही, तो सरकार उक्त अम्बेड्डा पुल का नियमण बारामे का विवाद रखती है, तबीं तो क्यों ?

घाट पर पूल बनाना

* 808. श्री अच्छिमित बाणीश्वर—कृष्ण मंडी, यामोणी कार्यविभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि जल यह जल मारी है कि अस्वता जिलान्तरीय गोदावरी प्रखंड के बतवाना अंचापत में काविलासा घाट पर नदी में युत नहीं रहने से होमों को बायामास में बाष्पों कान्डिनाइज़ि बा सम्भावा बारवा पड़ता है, यहाँ ही, तो क्या साकार उक्त घाट पर पूल बनाने का विवाद रखती है, तबीं तो क्यों ?

अमरुद्धा गढ़ का नियमण

* 809. श्री सत्यदेव मिश्र—उमा मंडी, लभु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि जल यह जल मारी है कि अस्वता जिला के कारपो प्रखंडानारी ग्राम-नगरी एवं टिकारी के बीच रेशीपन नाला व अमरुद्धा में नहीं है विस्थिति करके प्रखंड भूमि अस्मिन्दिन रह जाती है, यदि तो तो सरकार उक्त अमरुद्धा में का नियमण कराने का विवाद रखती है, तबीं तो क्यों ?

सम्पर्क महाक का नियमण

* 810. श्रीमती एन्ना चारक—कृष्ण मंडी, यामोणी कार्यविभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—
 (1) यह यह जल मारी है कि यमर्सीपर जिलान्तरीय गोदावरीनम्बर प्रखंड के लोमारपुर अंचापत के पड़ोष घट पर वर्ष 2015 में पूल बनकर लेखार हो गया है ;
 (2) यह यह जल मारी है कि उक्त पूल पर सम्पर्क महाक का नियमण अंगीतवा नहीं किया गया है ;
 (3) यदि उपर्युक्त घटों का उक्त स्वेच्छाप्रयोग है, तो क्या सरकार उक्त पूल पर सम्पर्क महाक का नियमण बतलाने का विवाद रखती है, तो, तो क्योंक, तबीं, तो क्यों ?

*811. गो अस्त्रिय व्यापार गाइड नाम से, जल संरक्षण विभाग, एवं वित्त विभाग द्वारा जारी है जिसका उद्देश्य व्यापारियों को वित्तीय व्यापार में विभिन्न स्तरों पर वर्ष 2008 के कानूनी उपचारों में असर नहीं लाना है जिसमें व्यापारिकों का वित्तीय मुख्यालय आदि जाने में विकल्पों का साधनों का समावेश है। यदि इस गो व्यापार व्यवस्था में विभिन्न व्यापार विभागों द्वारा प्रतिवर्षिक व्यापार के विवरण दिये जाते, तो क्या ?

卷之三

*612 ਸੰਗ੍ਰਹੀ ਸਾਡੇ ਖੇਤੇ ਵਿੱਚ ਪੁਰਾਣੇ ਮਿਲਾਂ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕੋ ਕਿਸੇ ਕਾਮ ਕਿ...

- (1) का गह यह यह है कि नेताध्यक्षों द्वारा के सम्बन्धमें प्रत्याकृत अवलोकन मन्त्रालय द्वारा सम्बन्धित 2013-14 में दूसरी आवास चौकसा से सम्बन्धित देखी, परन्तु ऐसीकारी प्राप्तवान, सिविललिंगपा देखी, परन्तु विनोद पासवान, जैसोधा देखी, जॉन राजेन्द्र पासवान, गुरुम देखी, एवं कंकल पासवान को दूसरी आवास देताने की स्वीकृति मिली थी।

(2) एस यह कहा सको है कि मानवों का दीदा आपस पक्के के बाट अमर्त्योपलग्यम् । म.पी. लालन देवकरु १८, माल गुरु छिंगार-दिघी की भौम करने के कारण अत्यधि-सुरुचि का भूजान नहीं किया गया है :

(3) यह उपर्युक्त व्यापार का उत्तर स्वीकारात्मक है; तो क्या समझा इस नामधनों को मिशने के लिए भवित्व में रखिए जो जिस विषयगत व्यापारिकानी पर कानूनी कानून का विचार रखती है, ही, तो कानून की दो बातें हैं-

第二部分

*११) श्री रम मनक मिह तथा मर्दी यासोग कार्य मिथुना तथा उत्तमता को वृषभ चर्तवी कि

- (1) उक्त पारा आवंती है कि नाशिलालि विना/ने उत्तरायणी उम्मांड के द्वारा एकलाला गवर्नरिटेड ने द्वारा द्वयो व्रापनमें सहाय से द्वारा द्वयो व्रापनमें पद तक पहुँची सहाय नहीं है ;
(2) उपर वाले द्वयो व्रापनमें कि उक्त एकलो सहाय नहीं हास के बाराण द्वारा जाता का कठिनाई का द्वयो व्रापनमें है :

(३) यदि उत्तरायण नहीं कर सकता तो उसके स्वीकारन्तर्यामी हों, तो जब ग्राहकों उपर अटके हो जाएंगे तो विचार उठानी हों, तो तो यह बहुत जटी तो क्या ?

सट्टक वा निर्माण

*14. श्री अमर कुमार- जब मरी जानेवाली विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

- (1) जब यह चाह सही है कि भारतीय वित्त अन्वयी बजार इवानी प्रधान में बदलने की विधिवाल द्वारा नियम लगाए गए थे। राष्ट्रपुर से ऐसे बोर्ड, नियमित्या में गूंजी एवं एस्ट्रोडीम २५ से उभयन् भाग सट्टक वा निर्माण प्रोटोकॉलोंका अन्वयावाली द्वारा लिया जा रहा है जिसमें अभी शिर्दी वा तो कोई नहीं दृष्टा है;

(2) जब यह चाह सही है कि उक्त वार्षिकी को अन्वयी वा लिपि ३० फिल्मपर २०१२ की ओर;

- (3) यह यह चाह सही है कि नियंत्रण भुग्य वार्षिक अधिक छांटकर नियमित्या वार्षिक वा तो किया जाएगा;

- (4) यह उपर्युक्त शब्दों के उभयन् अन्वयावाली हैं, तो जब बतलान उक्त भाग को नियमित्या प्रोटोकॉल आवासी है, तो, तो क्या क्या क्या ?

बहाल-बमाल कार्य करना

*15. श्री लक्ष्मी भास्करम्- जब मरी, उक्त भागाभ्यां विभाग, यह बतलाने को चुपा करते कि उस वाल चलो है कि यहांतारा वित्तान्वयी नीतिहानि प्रधान के विभाग एवं राष्ट्रपुर प्रधान के बीच, वित्त भागपुर नियंत्रि ३० (प्रधान) गौंजी के विभागीय वा सेक्टरीय प्रधान जापान भांत नहीं के बाहे एवं कठार में जानों में विनीत हो गया है जिसमें प्रधानित विभागों का सम्पूर्ण भूमध्यस्थीय की विधिवाल द्वारा है, यदि ही, तो वहां सट्टकर विधिया विवाह से राष्ट्रपुर प्रधानकालीन नदी लट पर तुरण का उन्नत भाग करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

बहाल-बमाल और भुजित्री

*16. श्री (मामि) नानक भास्करम्- क्या भरी, प्रधानीय वार्षिक विभाग, यह बतलाने की चुपा करते कि जब यह चाह सही है कि भागपुर वित्तान्वयी भाग भद्रर में लावे तो ३४, रामुटेल (भनपुर) व उसके जले वा और अन्य जलों से जौवा वह दिखाए थाए में जानी मरीज बहाल-बमाल रहता है, जिससे सेवाओं एवं उत्तर प्रदेश द्वारा वर्ष वर्ष जानी है, यदि ही, तो क्या सट्टकर उपर भीव जो बहाल-बमाल में भुजित्री दिखाने का विभाग रखती है, तो, तो क्यों ?

यथा का नियमण

*17. श्री भुजित्री वित्ती यादव- जब मरी, प्रधानीय विभाग, यह बतलाने की चुपा करते कि—

- (1) जब यह चाह सही है कि भागपुर वित्ती के सेवाभूमि, विशी सूर्योदय प्रधान एवं ग्राम-ग्रामपुर, अद्युमा, अकरोण एवं धरनी में भूमध्यस्थीय का युल का नियमण लिया गया है :

- (2) जब यह चाह सही है कि उक्त युलों का नियमण तूर्य वर्षों बीच गये हैं, किसी उद्योग यथा का नियमण अप्रत्यक्ष नहीं हो सका है जिसमें आवाहन आमित है ;

- (3) यह उपर्युक्त शब्दों के उच्चर स्थीरान्वयीक हैं, तो उक्त सट्टकर उपर युलों का यांत्रिक प्रभा वा नियमण करने का विचार रखतो है, ही, तो क्या क्या क्या ?

सहक का नियम

*818. श्री अर्थोक कुमार सिंह--जवा भंडी, ग्रामीण वार्ष विभाग, यह बतलाने की पूछतांत्रिका कि क्या यह चात सही है कि औरंगाबाद विलानगंत रफीमध व्रस्टेंड में आम-दरीमधीं से आम-नुपान्ने विशेष उक्त पक्की सहक का नियम जहाँ होने से ग्रामीणों को आवश्यकता में फ़र्दगाह होती है, यदि तो, तो जवा राज्यवर चारित स्थल पर पक्की सहक का नियम काहने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सहक का पुनर्नियमीण

*819. श्री अर्पण देशर तिळ--जवा भंडी, ग्रामीण वार्ष विभाग, यह बतलाने की पूछतांत्रिका कि क्या यह चात सही है कि औरंगाबाद विलानगंत एनएप्पय-२ से दैव मुख्यमात्राय यां जोड़ने वाले भाष्य अन्यपुरा तक की सहक विभात चार वर्षों से ज्ञात है, विसके बारात ग्रामीणों को आमं-जान में फ़र्दगाहों का सामग्री करना पहला है, यदि तो, तो सरकार कब्यतक अन्यपुरा तक के सहक का कुर्सीनियम करकर आवश्यकता मुर्हिरिष्ट करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सहज का नियम

*820. श्री देवेश कुमारदत्त--जवा भंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चात सही है कि मध्येपुण्य विलानगंत कुमारस्टेंड प्रस्टेंड के कुमारस्टेंड से भावत ग्रामीणों जीक होते हुए जोगावर्ग जाने वाली सहक का कार्य वर्ष 2010 में शुरू किया गया तथा अगल्य, 2015 में वाली शुरू कर देना था लेकिन आजातक सहक नियम का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, यदि तो, तो क्या सरकार उक्त सहक का नियम जारी पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

नोटि जा पालन आदा

*821. श्री अर्थोक कुमार--जवा भंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि--

(1) क्या यह चात सही है कि समस्तोंउ विलानगंत वार्षिकतावां विभान-सभा धेव में खानपुर प्रस्टेंड अन्यगंत अनुग्रहात्मक में उक्तमाही-मुकाबी जाने वाली सहक का नियम ग्रामीण सहक विभानगंत वर्ष 2011 में जारी गया था;

(2) क्या यह चात सही है कि अनुग्रहात्मक वाली की अधीन होते अस्त्रक एक बार भी उक्त सहकों को मरम्मती नहीं होने को बजह से यथ ज्ञात हो गया है, विससे स्थानीय स्तोत्रों को आम-जानी में फ़ादित होती है;

(3) यदि उपर्युक्त घटकों के उत्तर स्वौकारामक हैं, तो क्या सरकार उन्नुकाम चीति का ग्रामीण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

वाता वा निर्माण

*822. श्री मुरो कृष्ण जन्मो—जन्म मंत्री, प्रार्थीण कार्य विभाग, यह वक्तव्याने को लुप्त करें दि—

(1) यह यह बात मही है कि मुजलम्भरपुर विभाग-सभा के भुजलम्भी ब्रह्मद के दो वर्षापत्र भग्यान्वत्तु वापि भैरवीस्ती खोल्त आर्थिण छोड़ होने के भावचक्र लहर के निकट होने के कारण अस्थाधक अव्याधि जात थिए हो गए हैं ;

(2) क्या यह बात मही है कि उक्त लेह में वार्षे वा निर्माण वर्षी होने के कारण यहाँ वा विकासी गही होती है और सर्वेष आव-आवाव वापि रहत है ;

(3) यदि उपर्युक्त छोड़ों के उत्तर श्वीकरणात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त धर्माचार्यों में नामों का निर्माण विद्याने का विचार रखती है, तो, तो क्या ?

पथ वा प्रकल्पकारण

*823. श्री बुद्धिकीर्ति विद्—जन्म मंत्री, प्रार्थीण कार्य विभाग, यह वक्तव्याने को लुप्त करें दि यह बात मही है कि बौद्ध जिता अंतर्गत वैद्यनुर ब्रह्मद के ग्राम खेतीय भोज से उपर्याम अद्वैत, देखा, मीनवर्षों होते हुये इमित्या दुग्धात्मक भूज्ञ पथ तक को भद्रक वर्वर होने से वरदस्त में जात्यामास बद्व ता जाता है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ का प्रकल्पकरण कराना चाहते हैं, तो, तो क्यों ?

कृदी वा निर्माण

*824. श्रीमती कृष्ण देवी—जन्म मंत्री, लघु-जन्म मंसाधन विभाग, यह वाताने को लुप्त करें दि क्या यह बात मही है कि गया विद्या अंतर्गत अद्वैत, वधारी एवं मोक्षदा प्रदाता प्रदाता होती है, जहो विभागों को दिव्यार्थ तंत्र एवं भावात्मक साधन कूजों है, यदि ही, तो क्या सरकार अंतर्गत, वधारी एवं मोक्षदा के विभिन्न प्रकारात्मक में कार्य निर्माण विद्याने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

पुल वा निर्माण

*825. श्री उमभव द्वारा विद्—जन्म मंत्री, प्रार्थीण कार्य विभाग, यह वक्तव्याने को लुप्त करें दि—

(1) क्या यह बात मही है कि भावद्वार विद्या अंतर्गत अभिधार्ष प्रश्नोद्देश वा विसंपरापु उत्तरिया गई को सामने बनास नदी में पुल नहीं याने को कारण आयोगों को विद्या मुख्यात्मक जाने में महिनार्ह होती है ;

(2) क्या यह बात मही है कि ठक्क नदी में पुल नहीं रहने के कारण अग्निधारी और वरणाधारी के ग्रामीणों को आवागामन में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त छोड़ों के उत्तर श्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विसंपरपु तोतिरिया गौव के सामने बनास नदी में पुल का निर्माण कर आवागामन सुगम बनाने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

तुल का नियम

*४२६. कौन विनाश करते हैं—क्या भीजी, ग्रामीण कर्तव्य विभाग, यह वास्तव में यह करने के लिए जब यह चाह सही है कि ग्राम जिला अधिकारी भारतीय प्रशासन में उपचारिता में ५०% घटा। यह भीष्म वास्तव में साधन संग में पुरा नहीं रहने के विषय व्यावायम में काफी विवाद हो गया है, तरह है, तो क्या भर्त्यार उपचार आवश्यक स्थान पर तुल नियम का विचार रखते हैं, तरह, तो क्यों ?

तुल का नियम

*४२७. कौन ग्रामनुज द्वारा—क्या भीजी, पृथ विभाग विभाग, यह वास्तव में यह करने के

(1) यह यह चाह सही है कि सभी जिलानामूल शासन-विभाग-सभा विजे के सान्तुष्ट प्रदर्शनात्मक अधिकारी ग्रामीण के विवारक आवे जाए ये गोपनीय तरीके द्वारा हुआ है ;

(2) यह यह चाह सही है कि उक्त इलाके के छोड़े जो नदी में पुल नहीं रहने के विषय व्यावायक में अधिकारी रहते हैं ;

(3) यह उपर्युक्त सुन्दरी के उत्तर-स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार नियांविध अव आर्यावर्ण विषय के बीच में योग पुल का नियमण करने का विचार रखता है, तो, तो कर्तव्य, नहीं, तो क्यों ?

तिक्का करनेवाले करने

*४२८. कौन असल अनुभाव नियम—क्या भीजी, पृथ विभाग विभाग, यह वास्तव में यह करने की अनु वाली है कि पालक जाति ने न्यु अर्टिशन (एन्ड) एच०-३०३ पर प्रवालन्सी व्यवस्था द्वारा तिक्का करने के लिए उक्त २६३ विभागी के सुनीय तथा उस पर पैसर लाइट-डिस माह गुरुवे दिन है, तिक्का विक्का करनेवाले भारी किया गया है, यह है, तो क्या सरकार उक्त एच०-३०३ पर विषय तुल से विभायी तथा विभासी जर्वे व्यवस्था द्वारा विभासी के खाम्हे या तरीं रिपर लाइट में तिक्का करनेवाले करने पर विचार रखता है, तरह, तो क्यों ?

तुल का नियम

*४२९. ओ (४०) आपाल अनुस—क्या भीजी, ग्रामीण कर्तव्य विभाग, यह वास्तव को क्यों करते हैं ?

(1) क्या यह यह चाह तरह है कि तुली विभागी जिलानामूल जिलानामूल एवं जिलानामूल विभागी ग्रामीण (जिलानामूल) के कोटि चाट पर पुल नहीं हैं ;

(2) क्या यह यह चाह सही है कि उक्त व्यावाय वह पुल नहीं रखने से भीनगा जर्वे पृथ अनेगा प्रदान को आपनान्तर वो व्यवस्थामें कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त दायरों के उत्तर-स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भारी पृथ विभाग करने का विचार रखता है, तो, तो कर्तव्य, नहीं, तो क्यों ?

सुनीषा वहान करना

*४३०. श्री राम लिखा है—जल तंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि—

(१) क्या यह चाह सही है कि भावपुर लिंगानगर बरायां, हारियाँ लाला, लोका, भीमनाथ, हरिया, उत्तरांग लंगप, लक्ष्मा, शिवपुर उत्तरांग तथा देशपुर वैद्यावत में सभी चाह की उड़ान में आगी उम्र रहने के बास्तव पानी नहीं जा रहा है;

(२) जल घट चाह सही है कि आगी नहीं पहुँचने को जारण १० हजार हेक्टेया भूमि लिंगांग में चौकिल है एवं किलान के समक्ष खुदामरी की समस्या उत्पन्न ही रही है;

(३) यदि उपर्युक्त उड़ों के बताए व्यापारालय हैं, तो जल संसाधन उड़ान सभी उड़ों को सभी भौंतों में सभी चाह से पाने उपलब्ध कराकर लिंगांग भूमिका बहाल कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुरुषों निर्णय

*४३१. श्री महाविद जानम—जल मंत्री, आमोंण इसाई विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि ज्या यह चाह सही है कि लिंगांगके लिंगानगरी कोशलामण प्रांगण के मौखी वैद्यावत के रहनी में भैंजल युक्त आने वाली राहक के मौरिया चाट पर पुल तक ताल के बालण लालामण को उड़ाने-जाने में काफी कठिन होती है, तो ही, तो क्या सरकार उड़ान स्थल पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बहलान से बचाना

*४३२. श्री अधिकारी गहमान—जल मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि जल प्रांगण चाह सही है कि असरिया लिंगानगरी अररिया प्रांगण के यात्रा, इनाया, बेस्ता याट दोन, पेरवा खुरी, लिंगारी लालोना, बरसायां, गमपुर, नालनामु गौव बतार नदी से तथा असरिया चाही एवं लट्टिया गौव बहला नदी के कटाव में प्रभावित हो रहे हैं, विसाके कारण यही वैद्यावत भूमि भौंती में सभा रही है, यदि ही, तो क्या सरकार उड़ान लायेंगी को कटाव से बचाने हेतु जलान्तरी करता चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति

*४३३. श्री नारायण प्रसाद—जल मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि—

(१) क्या यह चाह सही है कि पूर्व विधायक लिंगानगरी चम्पारण तटबंध पर कोहरपट्टी से आइलिया तक विधु दूसरे चाही से वर्षा क्षेत्र में गढ़क गरी के पानी का दूबाव यहु जाता है;

(२) क्या यह चाह सही है कि नदी के पानी का दूबाव यहुने से उड़ान तटबंध में बटाव शुरू हो जाता है, किन्तु कोई उक्तनामी विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति नहीं होने के कारण विभागीय अधिकारी कटाव निरोधक लिंगांग नहीं ले पाते हैं;

(३) यदि उपर्युक्त उड़ों के उड़ान व्यापारालय हैं, तो क्या सरकार व्यापारण तटबंध पर किसी उपकारी विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हो, तो काब्रक, नहीं, तो क्यों ?

*४५४. श्री वोरेन्स कालार मिठा—क्या भीती, जब असाधन विभाग, यह बतलाने को कूपा करते कि क्या मठ यह चाह सही है कि बौद्धगायत्र लिलायाति यमीनगढ़ उद्घाटन के प्राम कोइरोडीट से यह तक सीम भीड़ से दैकड़ी एकड़ जमीन कालार तटवर्ष नहीं रहने के कारण तो रहा है, यदि ही, तो क्या सरकार इक्कत नहीं में कोईतोड़ जाम से लोकों जाम रहा तक तटवर्ष बनाने का विचार रखतो है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का निर्माण

*४५५. श्री विजय बुधार मिठा—क्या भीती, यामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कूपा करते कि—

(१.) जब यह चाह सही है कि तटवर्षाय लिलायाति यमीनगढ़ प्रश्नण के अंतर्वायत अन्तर्वायत आम दृष्टान्त मूलारे से चेतावी नहर छाते हुए कठोरा बटायान तक पहुँचने के लिये यातायात की कोई अवधिया पड़ती है;

(२.) जब यह चाह सही है कि तटवर्षाय अंदर दिनों में यार्दी रहने के आरप इस विवाहात के लोगों पाए चाहेता स्टेशन से समर्थक दूर जाता है;

(३.) यदि उपर्युक्त अपडो के इस स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इस मूलारे से चेतावी जान देते हुए नातिक स्टेशन तक सहक निर्माण का विचार रखती है, तो, यदि नहीं, तो क्यों ?

तालाकूप तथा करना

*४५६. श्री विजय बुधार—क्या भीती, तथा जल असाधन विभाग, यह चालाने की कूपा करते कि क्या यह जल सही है कि दृष्टिगत लिला के जाते विचार जाग भेज, अप्रैल ६७, नलदारू में से ५९ नलदारू दो जापों में बरे हैं, विचार विभाग याने रखने वाला उसकी समुचित प्रत्यय से विचार है, यदि ही, हो क्या सरकार उक्त नलदारू पर खजू बराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संवेदक के विकास कार्यालय

*४५७. श्री ललन पालायन—क्या भीती, यह निर्माण विभाग, यह बतलाने की कूपा करते कि—

(१.) क्या यह चाह सही है कि योग्यतम लिलायाति दृष्टान्त प्रश्नण से अनन्दीतक तक लगभग १५ किमी० के सहक का निर्माण विचार जरा जान में हो जा है, उहक बन भी रहा है तथा साथ ही प्रोचिंग उद्धरण भी रहा है;

(२.) क्या यह चाह सही है कि उहक सहक के निर्माण में प्राक्कलन के अनुभार सामिलिंग का उपयोग नहीं हो रहा है;

(३.) यदि उपर्युक्त जापानों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी प्राक्कलन की जीवं कर सकिये परमिकारित्य एवं संवेदक के विकास कार्यालय करने हुए सहक का निर्माण प्राक्कलन के अनुभार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*838. श्री अदीत राय-- क्या मरीं, प्रमोश किसान विधान, यह बोलाने की कृपा करें कि क्या वह यह चाह सकते हैं कि भागलपुर विधान के आगलपुर गाँव के नाम भवति और जम्मा प्रमाण-पत्र, जो एक दो-प्रतीकालीन कार्ड ज्ञान विधान के लिए जगलपुर प्रखण्ड में जल्द पढ़ता है, जगलपुर गाँव में जागीरपुर प्रखण्ड की दूरी १५ किमी से अधिक है, तो इस गाँव भागलपुर गाँव में प्रखण्ड कानूनी व्यवस्थे का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

कठात अवशोषक जारी करना।

*839. दृष्टि रामानुज प्रसाद-- क्या मरीं, जल संसाधन विधान, वह बोलाने की कृपा करें कि--

- (1) वह यह चाह सकते हैं कि भारत वित्तानालिंग जागीरपुर विधान-सभा द्वारा के नियमों की अधिकारी अवधारित हैं;
- (2) यह वह चाह सकते हैं कि उक्त विधान में याता-याती से हो जैसे कठात के कारण अवधारित जागीरपुर रखती है;
- (3) यह वह चाह सकते हैं कि उक्त विधान के नियम विधान सभा में प्रखण्ड कानूनी व्यवस्था का विचार रखती है, तो, तो क्या क्या ?

संवृक्त का नियमित।

*840. श्री गांधीन तिवारी-- क्या मरीं, जामीन कार्य विधान, यह बोलाने की कृपा करें कि--

- (1) क्या यह चाह सकते हैं कि सारण वित्तानालिंग अमरीत प्रखण्ड के काठाना याता में गण्डकीपुर द्वारा देखपा घुराहलिया नाम विधान की नहीं में गिरदी विधानकर लालू दिया गया है;
- (2) क्या यह चाह सकते हैं कि उक्त विधान के इताई नहीं होने से यातों के अवधारित में बहिर्भूत हो जाती है;
- (3) यह उपर्युक्त चाहों से उक्त वित्तानालिंग के कारण काठाना याता में गण्डकीपुर घुराहलिया नाम विधान का विषय विधान का विचार रखती है, तो, तो क्या ?

जलव्यपुर याता चालू।

*841. श्री उमरा दिल्ली कुलकर्णी-- क्या मरीं, लघु जल संसाधन विधान, यह बोलाने की कृपा करें कि क्या यह चाह सकते हैं कि चंडीगढ़ जिले के महान विधान-सभा द्वारा अन्योनि याता प्रखण्ड के गण्डकीपुर, रहमानपुर, येदपुर, करमीली, यहुनारा, महिनरारा एवं जापसानपुर गाँव के बाजारों नियम दर्ता की ये चालू हैं, तो उक्ताने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

*342. **कृष्णलो मंडी रिपोर्ट** - लखनऊ, उत्तर प्रदेश का एक विभाग, यह सरकारी की कृषि कोषे के ज्ञान एवं विकास की ओर से अधिक ध्यान देता है। इसके अन्तर्गत कृषि विभाग के अन्तर्गत अधिकारी के खुल 29 एवं यो वर्ष 2015 में प्रदूषणकी सदृश विवाद संबंधी समीक्षा, सुनिश्चयी तथा वैठक में जाहाजे की अनुशासा को गोपनीयता से उत्तम अधिकारी अधिकारी करने का नियम लिया गया है, यहाँ तो, तो इस साल उच्च रक्षा एवं कृषि को बढ़ावा देने वाले विभाग के अधिकारी के अन्तर्गत कर्तव्य विवाद रिपोर्ट है।

第12章

*843. श्री नाना कुमार दाम— जब भीको प्राप्तीत लावं विभाग, यह बलानने को कृपा करेंगे कि व्या-
वह चल सके हैं जिस प्रदर्शनात्मक विभागात्मा। मंत्रीपूर्ण प्रश्नाएँ और मंत्रीपूर्ण उत्तराएँ यात्रा, वर्षोंसे पर्याप्त से किया-
यीक इति हुये प्राप्तिकालकालकुक्त विभाग ॥। वर्षों से ज्ञाता है विभाग व्यवसायारिकों को आवासानम् म-
कालिनां द्वारा लोटा है, यदि हाँ, तो क्या उत्तराकार, उत्तर उद्देश्य का दूर्विमत्त व्यवहार को विचार रखती है, तो-
तो क्यों ?

新嘉坡 1936

४५४४. भी जल्दी यात्रा— या प्रति पथ निर्माण विभाग, जहां असलाने को कुप्र कर्मये कि
 (1) कम यह यात्रा सही है यि अधिकाराद चिन्ह के धर्मार्थ ४० अधिकाराव विधानीत माध व
 विधान-विधान पथ, गालापार एवं पुराणा प्रदानक के अन्य राजावतो को मुख्य यह से जोड़ने वाली असंगी
 न जानक जानें हैं।

(2) अपने जीवन मरी हुई गांधी यह दुर्दणे के कारण जीवन संतुष्ट नहीं रहा।

(3) यदि उपर्युक्त गल्डर के रूप स्थोत्राभ्यासका है, तो उस संख्याएँ वर्कशीटका जो मैचेट्स्ट्रिक्चर
में लिखितान् कर मार्गमन्ती करनेमें इस लिखने सहित है, हीं, तो विवराएँ वहीं, ये कहें ?

3180 3181 3182

"४५. श्रीमार्ति पालना ज्ञा- क्या चरी, जब संसाधन विभाग, वह बोलाने को चुन रखें कि क्या वह जात रहता है कि मधुमत्ती तिनालंगी कल्याणी प्रधारे के द्वाम प्रेचमा आलिङ्कापुर के देश टोड़ा थीक कमाल एवं जीवह नहीं जे हिसाद को सिंचाइ हुन् एवं जहर तिष्ठानी है, तिसम पालद्वा नहीं रहने के कारण तिष्ठाई हायु पानी तिसाना यो नहीं मिल पाया है, यही ही तो क्या सरकार यज्ञ देवता को उत्कर्षक उत्तर देता है काटक लगाकर तिसाने जो मिच्छा की अधिक दस्तावेज कराया चाहती है, नहीं, तो क्या ?

कल्पना यूंग करता

*४४६. ओ रामप्रीत प्रसादन्-क्षमा मंडो, जल्द जल्द संसाधन विभाग, यह बठलाने की कृपा करो। तो क्या यह यात सही है कि पश्चिमी विभागों और उत्तरी प्रदेश के पश्चिम संघों ने या स्कूल गेट का नियम २०१० में प्रारम्भ किया था, जो अभी तक अद्वितीय है, यदि भी, तो उत्तर क्षमता उपर स्कूल गेट का नाम सुना जाने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

प्रदूषक का प्रक्रियालय

*४४७. ओ खेड़ालाल यौधी- क्षमा मंडो, आमीण वार्ष विभाग, यह बठलाने की कृपा करो। यह यह यात सही है कि यूंगर विभाग के टेक्निक कानून प्रबन्ध अन्तर्गत इस नियम सुनव संघके द्वारा यौधी में इस होते हुए स्थाना तथा को सदृक बतते हैं, विभाग आम बनता करे बनता के नियोग में आम-जनने में विद्युतिकरण का व्यवस्था करता पहुंचा है, यदि तो, तो क्या सरकार उक्त सदृक तथा विद्युतिकरण करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

ट्रॉफीकेट जल्द जल्द

*४४८. ओ लालबाबू प्रसाद नाना- क्षमा मंडो, जल संसाधन विभाग, यह बठलाने की कृपा करो। कि क्या यह यात सही है कि यौंगी उत्तराखण्ड विभाग के विद्युत विभाग-सभा क्षेत्र के अन्तर्गत जाने जाने उत्तराखण्ड एवं विरेण्य में लगभग ६० ट्रॉफी ट्रॉफीकेट की संख्या है, विसमें से ४८ उत्तराखण्ड विभाग द्वारा विभिन्न रोप एवं ओगांडा जाने रहने के कारण बढ़ रहे हैं, जिससे किसानों को विद्युत में अविनाश दोक्ते हैं, यदि तो, तो क्या सरकार उपर स्टेट ट्रॉफीकेट को दोका लगने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

यूंग का नियम

*४४९. ओ विजय शेकर दुर्वे- क्षमा मंडो, आमीण वार्ष विभाग, यह बठलाने की कृपा करो।

(१) क्षमा यह यात सही है कि छापय विभाग के एन०एच० ४५ के बतेहा रिपोर्टे में चौड़ी एन०एच० १९ को ओड्से यासी-आमीण सदृक नाम बनवाय, ईलियानगढ़, नाल्मुर, धारोर बागां को दृष्टि कार्य, यौंगी को ओड्सी है, को विद्युत जारी है :

(२) क्षमा यह यात सही है कि उक्त पथ में ईलियानगढ़ एवं बनवाय में युरोप मुल का भी विविधांश नहीं हो सका है :

(३) यदि उपर्युक्त खाड़ी के उत्तर स्वीकारणामुक हैं, तो क्षमा सरकार उक्त सदृक एवं युरोप का नियोग लगाने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

पुल जौ मरम्मी

*550. श्री युहिवा उत्ताद राज—क्षमा भवी, पहले नियोग विभाग, यह बहलाने की कृपा करें। कि यह यह यह सही है कि सारण लिखान्वर्गी इमुआपुर प्रखड़ और तरीका प्रखड़ को जोड़ने वाला इमुआपुर-लेहाड़ी पथ पर गोविन्दपुर के भीच दब्बा वही पहले जूल विभाग द्वारा संस्थापित है, विभाग भारत आवासमन बहु है, यदि ही, तो क्षमा भरकार उक्त लिखान्वर्गी पुल को मरम्मी कराने का विचार रखें।

सहक जौ नियोग

*551. श्री ऐयर अमृ दोलानी—क्षमा मंत्री, आमोग बार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करें। कि यह यह यह सही है कि सोलामढ़ी विभाग के लिए प्रखड़ असरीत ग्राम रक्षायत बट्टोः भवी वे जीवन भवित रो इमुर आठ तक, डिश्पुर से मुसद्दा, गोठार, पसड़ी लका एवं बोल्कन चौंधुरापुरायाँ। सहक से अमनपुर, डिश्पुर ठाकुर को खोड़िग होने हुए रामधारु के पोखर तक सहक याच्चो एवं जड़ी झुने के कारण आमोग जनता को आवासमन में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्षमा भरकार उक्त यह या विभाग अप्पा भवार्य पर भवको सहक नियोग दर्शने का विचार रखें।

पहले जौ नियोग

*552. श्री ओदामयध मिश्न—क्षमा मंत्री, आमोग बार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करें। कि यह यह यह सही है कि सारण लिखान्वर्गी नामा-चेतन-एवं भाग लियम्बरपुर-ज्ञानी-मिलन भहक जर्वे है, विभागे आम लोगों को आवासमन में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्षमा भरकार उक्त यह या नियोग कराने का विचार रखें।

मरम्मीविभागी पर कार्रवाई

*553. श्री लक्ष्मीपुरान डजारी—क्षमा मंत्री, आमोग बार्य विभाग, यह बहलाने की कृपा करें। कि—

(1) क्षमा यह यान रही है कि दरभंगा लिखान्वर्गी आमोग बार्य विभाग, बाई प्रधंदुल लिएहा के कुशोधर रथान, प्रखड़ का कार्यालय से नियोग, समेत से इमुर तक विरोध ग्राम्बंद के सही से लाधी एवं पोछाएर से लाई तथको या नियोग घटवे छं 2009-10 में काल्या गया था, जो जर्वे ही गया है;

(2) क्षमा यह यह सही है कि उक्त भहक के ग्राम्बंदमें योग्य सर्व जैतु सहक अनुसन्धान की गति भी ही गयी थी, किन्तु विभाग अनुसन्धान किये ही गये का डताव लिया जा रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के डताव खोलकर भहक हैं, तो क्षमा भरकार उक्त भहको को भारम्मी एवं योग्य परामिकाई पर कार्रवाई कराने का विचार रखें। ही, तो काल्यक, जही, तो जहो ?

*454. श्रीमती अमृतेन्द्र सिंह गोदान — वया मंडी, लम्बु जल संसाधन विभाग, यह बहालाने को चालू करने की—

(1) यह यह बहाल महों के प्रियकार विभागीय तकनीकी प्रखण्ड के सभी विकासठ वरकरा राजनीतिपूर्ण 25 वर्षे पूर्व सामग्री याचि थी ;

(2) यह यह बहाल महों कि उक्त एवंकीय नेताजीपुर में न को आज्ञाह भोटर सामग्री नहीं और न हो भाला बह विभाग किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खातों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो यह सरकार उक्त नेताजीपुर में सांचर लाने एवं उत्तर नियोग कर नेताजीपुर को चालू करने का विचार रखती है, तबों, तो बहों ?

पुल का उन्ननियोग

*455. श्री विमल गंगो—वया मंडी, ग्रामीण अधर्ये विभाग, यह बहताने को कृषि बढ़ावे कि वया नह बह बहों कि खेत उत्पादन विभागीय भवानियोग प्रखण्ड को ग्रामीणी इमार विभाग के मुख्य यारी के ग्रामीणी के पास नहीं पर पूल बांधायता है, जिससे जलाशामन बढ़ता है, यदि तो, तो यह सरकार उक्त खाते पर पुल का उन्ननियोग करने का विचार रखती है, तबों, तो बहों ?

कटव ऐ घराप

*456. श्री दम्पत्रेष विहं—वया मंडी, जल संसाधन विभाग, यह बहताने की कृषि बढ़ावे कि—

(1) यह यह बह बहों कि अन्यत्र जिला उत्तरीय भवानियोग प्रखण्ड इच्छित्वात् के बीच पुरुषपुर मही वर्षिति युक्त से युग्म उक्ता ताक बांधेगानी सहजा युवधन नहीं के लिए पर बहों है ;

(2) यह यह बह बहों है कि नहीं के देव धर से उक्त सहज का योग्य मति से कठान डो रहा है, जिससे एवं वा अस्तित्व बहते रहे हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खातों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो यह सरकार उक्त सहज को बहाते के लिये कठव नियोग करने का विचार रखती है, हों, तो कठवाक, नहीं, तो लगो ?

अध्यागमन चालू करना

*457. श्री इयाम अध्यु प्रसाद यादव—वया मंडी, ग्रामीण अधर्ये विभाग, यह बहताने को कृषि बढ़ावे कि वया नह बह बहों कि पूर्वी अण्णाराप जिला के उत्तरीय प्रखण्ड के देवधार पर्याप्त के विभागान्तर ग्राम में मूल्य मंडी सेवा बोगता से 1.5 वर्षों रुपया को जागह से वितात 5 वर्षों से पूल बगकर तैयार है, परन्तु इस पुल तक पहुँच पर्य का नियोग नहीं होने से अवाश्यक बाधित है, यदि हो, तो यह सरकार उक्त पुल तक पहुँच पर्य का नियोग कराकर पुल से आवाश्यक चालू कराने का विचार रखती है, तबों, तो बहों ?

पुत्र का नियमण

*४५४. श्री अधिकार क्षमता—कहा गयी, शुभीण वार्ष विभाग, मह जनताने को कृपा करें कि इस एहत बात सही कि समस्तीषुर विलासनामात् विभाग-मंडळ में लौसरनगर प्रदेश अलंकृत दरमार देखाने के बल्लीषुर लाग में समस्तीषुर लिङ्क के घर के दूर ताँड़ नदी में अधिकार पुत्र या सिंहाण नहीं होने की वज्र से उत्तराय लाने की। एवं विलासकार लिमातो जो आवाजानों में कठिनाई होती है, यदि ही, के अह मत्त्वार तथा स्थान पर आरम्भी०स्ती० पुत्र का नियमण कराने का विचार रखती है, तहीं तो क्या ?

पुत्र का नियमण

*४५५. लौमती रक्तोटी दीमा देखान—कहा गयी, वार्ष नियमण विभाग, मह जनताने को कृपा करें कि एहत यह यह सही कि बैंकों विलासनगर दीमों प्रधानह के बैंकों बाजार से टैम रह जाके के एवं ज्ञा नियमाना कार्य प्रियोल १३ महोने से चैद पड़ा है, लिमके कारण अव्यवस्थन में बाजां हो रही है, यदि ही, के अव्यवस्थ अव्यवस्थ उक्त गवर्नर वा नियमण कराने जा विचार रखती है, तहीं तो क्या ?

पुत्र विभाग

*४५६. श्री वोरेक जामार नियम—कहा गयी, आमोद जारी विभाग, यह जनताने को कृपा करें कि इस एहत बात सही कि औरंगज़बूर विलासनगर लिमीम में जम्होर पथ में धूमसी विलापा वा प्रापा अदान गरी पर पुत्र नहीं होने भी आम जनता जो जाकागमन में कठिनाई होती है, वैसे जम्होर रेलवे स्टेशन जाने जा जाने एहमार गमह है, यदि ही, तो कहा सरकार उक्त स्थान पर पुत्र बनाने का विचार रखती है, तहीं तो क्या ?

सहक की भवनाती

*४६१. श्री उपाय बाबू प्रसाद यहूद—कहा गयी, शुभीण वार्ष विभाग, मह जनताने को कृपा करें कि इस एहत यह याद सही कि पूरी अमाराला जिला के उकिया प्रद्वान में पीपला दहूःपान २८ में पीपला चालान देने हुए भधुरापुर की ओर जानेवाले सहक तापान ४ फिल्मी० जर्वे छोने के बारण गाडियों ताएँ अन्य उक्कारियों को क्षापी लिमात तो रहो है, यदि ही, तो उक्त सरकार द्वात लडाक को भरमती कराकर जायागमन सुनक कराने का विचार रखती है, तहीं तो क्या ?

* ३६२. जी लेखक अपने यहाँ मतों पर विभिन्न विचार, यह प्रत्यक्षों की विवरणों के

(१) क्या यह जन-सभा दे कि निकासनसामाजिका अवसर कोटीहारतांग से एक मात्र गद है, तो उपर्युक्त प्रश्न के विषयमें जवाबी है :

(2) कह पह आता सकते हैं कि उसका मद्दक में लाग्ने के प्रसार भवितव्य नहीं पर वर्ष पुल को जोखिम काफी कम है, जिससे उसका लाग्ना रुकता है :

(3) क्षमा यह चाल सहि है कि 2014-15 में जल संग्रह विभाग द्वारा जल संग्रह विभाग में जल्दी कर दिया गया है।

(4) यह उपर्युक्त वक्ता के उत्तर कोविदामूलक है, जो वक्ता सरकार-आद्यामन्त्री को शुद्ध से अद्यामन्त्री के उपर्युक्त नहीं बल्कि उपर्युक्त वक्ता को विचार गयी है ही, जो अपराध नहीं था।

第二部分

*४०३. डॉ. दिनार भास्कर यात्रा—मध्य भारी वायु जल मस्तकाव गिराव, तो बहनान तो कृष्ण जली तो जले पर घटन घटती है जिसका असर अस्तित्वी प्रत्यक्ष दें तो आम बी.सी. विद्युत कारबंगी अभी भूलन्तर चेत्ता दीवानज्ञान, चानक और लक्षण, चर्का, शाखाएँ, कच्छी जलनदी के तिमती के विद्यार्थी सूखावाहा नहीं हैं, यदि ही तो क्या सरकार उपर्याप्ति में विद्यार्थी का सूखावाहा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, तभी, तो वय? २

卷之三

* १६४. श्री लिङ्गप कमार शमशा-क्षमा मर्ति उप सुराम्प विभाग, यह कमारों को क्षमा करने वा-

(1) कम या ज्यादा वर्षों के बीच अधिकारी निजा के अधिकारी पर्याप्त और उत्तमता व्यवस्था घटान सेवा में कार्री कार्राई से कठतर के लाभ प्राप्ति के लिए विशेषज्ञ हो रहे हैं।

(2) कथा यहां पात्र सती है कि उचित गौण में अवधारणा आपसंस्कृतका सम्बन्ध एवं प्रियदर्शी की के साथ सिवान् संबंध नियमानुसार है ?

(J) याद उपलब्ध रखने का उत्तर भविष्यतात्मक है तो क्या अस्क्रम लक्षणीय प्रकार के महत्व वाले वास्तविक संभवता का अध्ययन करना चाहिए ?

三

*865. भी गिरावट नमामा चिह्न परमामृत जामीण जाति चिह्नात् यह उत्तरांशों की क्रमांकिति के अन्तर्गत यह नाम है जो अधिकार विवरणात्मक अवधारणा परसंबद्ध के गोपनीय सम्बन्धमात्र वह का विवरण अस्तु मीठी पुनः नामों रखने के कारण लोगों को आवासानियत में काफी कठिनाई होती है, यदि तो उनका सम्बन्ध उत्तरांशों की शीर्ष पारमामृतों से प्रत्यक्ष निश्चय उत्तरांश का विवर दर्शाती है 'भी' तो क्या?

*866. श्री द्वारित उत्तम—जल संग्री, जल संधारण विभाग, यह बहुताने को कृपा करो—

(1) जल यह बात सही है कि नालांगा निकालानांत खुई प्रदेश के मुख्यमन्त्री प्रदेश एवं भारतपूर भौतिक संस्था के द्वारा यह बात हुआ है ;

(2) जल यह बहुत सही है कि उत्तम करो जल निकाल नाले जल बहर नाले के कारण उत्तम जल का कानून हो जाए तो ;

(3) यदि उपर्युक्त सही तो उत्तम स्वीकारात्मक है तो जल संधारण उपर अट्टपथ को चौपड़ा धौचिम एवं बहुत संधारण जारी करकर इसपरिषित गौवीं और कानून से बहुत का विचार रखती है, तो तो करता, नहीं तो करता, नहीं तो करता ?

पुल का नियमण

*867. श्री (मो.) लोमीर आपस—जल संग्री, यामोन कार्य विभाग, यह बहुताने को कृपा करो—

(1) जल यह बात सही है कि निकालानांत निकालानांत खाद्यपत्र प्रबोह के जागे जलों निकालने के लिए बाह्यनामांक में युला बा विमाण विस्तीर्ण वर्ष-2014 15 म. दृष्टि किया गया है ;

(2) जल यह बहुत सही है कि उत्तम युल नियमण में बाह्यनामन के अनुसार सीमेट, फैशर, यामोन एवं उद्द का प्रयोग नहीं हो जाए ?

(3) यदि उपर्युक्त सही तो उत्तम स्वीकारात्मक है तो जल संधारण उत्तम युल बा विमाण स्वीकृत प्रबोहन के अनुसार करने का विचार रखते हैं, तो, तो करें ?

पुल का नियमण

*868. श्री निलंदन लक्ष्मण—जल संग्री, यामोन कार्य विभाग, यह बहुताने को कृपा करो कि जल यह बात सही है कि दूर्घात विद्युत यामोन कार्य विभाग, जलसं प्रदेश, दरभंगा-२ द्वारा दिनांक-30 नवम्बर, 2015 को १४ मंड़कों को नियंत्रण ग्रंथालय निकाला गया, जिन्हे उत्तम संविधित सहजों लेक्या—(I) जली चौक से यामोन, जैसो ठाना (जाल), टेक फ़्रॅ-४, (II) यामोन युल से मुख्यमन्त्री याना (जाल) टेक फ़्रॅ-८, (III) योगमाजी-दमधारायुल से यामोन याना (सिल्हायुल) टेक फ़्रॅ-११ एवं (IV) दमधारायुल से हसिलप याना (सिल्हायुल) टेक के २३ करोंनियम कार्य संदर्भ पर योग लाना दिक्षित गया है, यदि ही, तो कार्य यामोन याना पर्याप्त बोले का नियमण करने का विचार रखती है, तो, तो करो ?

सदाक का नियमण

*869. श्री (मो.) नमतानन्द—जल संग्री, यामोन कार्य विभाग, यह बहुताने को कृपा करो कि जल यह बहुत सही है कि योगमाजी याना अन्तर्गत याना याना प्रदेश के गढ़वाल रोह से निकालकर याना कोटी होने हाये विद्युतपृष्ठ उक्त याने यानी भद्रक जगह है, यदि ही, तो जल संधारण उपर याना याना को डीपार्टमेंट का विचार रखता है, तो, तो करें ?

1976 ਵਿੱਚ ਸਿੰਘਲੂ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ - ਜ਼ਾਂਸਾਂ ਪਾਲੀ ਰਾਵ ਪਿੰਡ/ਪਾ ਬਾਲੁਨ ਲੋ ਗੁਣ ਦੇਂਦੀ

- (1) नालंड जल बोर्ड की वित्त में कारबॉल इलेक्ट्रिकों का वासिक भाग दो बारे में माझ (75 सूची) अधिकारी-विवरण है, जो अन्यान्य आम विधायिक चयन समिति में भी उभे हैं;

- 12) यांत्रिक विद्युत संचयन के लिए बैंकों द्वारा आवश्यक उपकरणों में से एक ही विद्युत वितरण योग्यता का अनुमति दिया जाता है।

- (३) यह उपर्युक्त व्याप्ति का उत्तर निम्नांकित है, तो क्या संसद उसे अवश्यकीय का घोषणा कर सकती है? यहाँ व्याप्ति का अधिकार का अन्तर्गत प्रबंध या उनको नियुक्ति देने का सिवाय रखती है, तो क्या उत्तरात् चली, तो क्यों?

第二部分

卷之三

1955 वर्षात् राजनीतिक विभिन्न दलों द्वारा जीते गए अधिकारी

- (१) यह सब यात्रा मरी है कि नए लिंगमयी प्रत्येकप्रभुता में गंगा जले के द्वामा बाहिरित करना चाहिए।

- 12.1 का माइक्रोसॉफ्ट के लिए उत्तम संस्करण पर पुलिनेंटो डाटा के क्रमसंबंध अमेरिकी को लिया गया है।

१३७. बीटामेंस लिमिटेड का नामकरण किया जाए। समस्त वापर सार्व व योग्य का विस्तार प्राप्त करना चाहिए औ उसका विवरण दिया जाए।

卷之三

* ८७४ श्रीमती साहितो देव - क्या मरी, ध्रम संसाधन विभाग, यह बतलाने की क्षमा नहीं चाहती है कि अमरुचितानन्दनांश नामांश विभाग जब भौति के बीची भौतिकों के लिए सरकार द्वारा एक पीढ़ी आवास नहीं उपलब्ध जा रही है, और ही, तो क्या सरकार बीची भौतिकों के कल्पणार्थ युवा विभाग की पेंडलिंग घटाने का विभाग रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सारांक्षण करना

* ८७५ श्री लक्ष्मदेव देवदत्त - क्या मरी, जल संधारन विभाग, यह बतलाने की क्षमा नहीं चाहती है कि योगानन्द एवं सीधेन जिला से होकर मुख्यमंत्री वहाँ नहीं गए (मिट्ट) से पर यहाँ के इनकाल वाला परमात्मा के दिनों वे यह अपने दलों विभाग पर लगे कर्तव्यी रूप से का कल्पना कर्तव्य हो जाते हैं, यही ही, तो क्या सरकार उक्त मरी जाएगा (मिट्ट) की विभागवालों की बात दोनों विभागों का अनुदानारण प्राप्ति का विधान रखती है, नहीं, तो क्या ?

प्रश्नाण्य सम्बन्ध खोलना

* ८७६ श्री दिव्यदेव पाण्डित - क्या मरी, ध्रम संसाधन विभाग, यह बतलाने की क्षमा नहीं चाहती है कि नालंदा विश्वानन्दांश नामांश उत्तराधिकार भौतिकीय के दश विद्यालयों की परिवर्ति में सरकारी वा गोपनाकारी लिखी गो प्रकार जा जीलोगिक उत्तराधिकार संस्थान नहीं है, जिसमें इस प्रत्याधिकार के द्वारा जीलोगिक उत्तराधिकार आव नहीं जारी रख रहे हैं, तरी ही, तो क्या उत्तराधिकार नामांश उत्तराधिकार संस्थान में जीलोगिक प्रत्याधिकार संस्थान खोलना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

मठक या विभीषण

* ८७७ श्री अंतिल जगद्गुरु शदृश - क्या मरी, प्रार्थीन विभाग विभाग, यह बतलाने की क्षमा करती है

(१) क्या यह क्या मरी है कि प्रार्थीन विभागवाली भरताध्य प्रांगण में रेशमलता घोड़ा से भव्यात्मिक जान चाही घड़क की निकिट वर्ष २०१४-१५ में यह कह दिया गया था;

(२) क्या यह क्या मरी है कि उस शदृश के विमुक्त नारी दावे से व्यवसाय के दिनों में आवायमन घायल होता है;

(३) क्या उपर्युक्त वर्णनों के उस संवेदनशील है, तो क्या शदृश उस वायव्य का कार्य प्रारभ करने का विकल्प नहीं है, नहीं, तो क्यों ?

*878. श्री लक्ष्मणराव राय - क्या मैंने, उस सम्पादन विभाग, यह चतुर्लाने को कृपा करें कि—

(1) यह यह बात सही है कि मधुमेहनी क्रियान्वयन छुट्टीना प्रशासन के धार्म सलाहियों में भूमिका देने का मिर्जान वर्ष 1998-99 में किया गया है;

(2) मैंने यह बात सही है कि बौद्ध वा लेखांशु वालों द्वारा यह व्याख्यान वालों अवश्य आता है, जिसमें क्रियान्वयन को मिर्जाई मूल्यित घोषित किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खाली के उत्तर स्वीकृतालक्षण हैं, तो सरकार याती को बर्खीरों द्वारा हेतु बौद्ध वा लेखांशु जैव फॉटो लागू का विचार रखती है ?

प्रथा का औदौषिकरण

*879. श्री (भौ.) नवाज अल्होद - क्या मैंने, यह निर्माण विभाग, यह बांधने को कृपा करें कि यह यह बात सही है कि भोजपुर विलानगंडी आदा-सहोमपुर व्यव ने कौट जौहा राने के भारतीयाएँ; जब इन्होंने इसे बोला है, यदि हो, तो क्या सरकार उन्होंने यह क्रौंचीकारण बहाने का विचार रखती है, यहीं, तो क्यों?

कार्य पूरा कराना

*880. श्री अकला कुमार - क्या मैंने, प्रधन निर्माण विभाग, यह चतुर्लाने को कृपा करें कि क्या यह यह बात सही है कि सहरसा विला अवर्गीत प्रशासन करना उच्च विद्यालय, निर्माण विविधायालय एवं पालियन इन्होंने उच्च विद्यालय मालियों में चार्च-पीछे करने का निर्धारण भवन निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2008 में शुरू किया गया था, जिसे अधूरा लोह दिया गया है, यदि हो, तो सरकार कार्यकार उपर निर्माण कार्य को पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संघरक जा प्रकाशकरण

*881. श्री जय वर्धन यादव - क्या मैंने, नामोंन कार्य विभाग, यह चतुर्लाने को कृपा करें कि क्या यह यह बात सही है कि पटना जिला के पालीगढ़ प्रशासन अवर्गीत पाली किनार पथ से निर्माण जूक करने के लिये उच्च विद्यालय ३ बघों से जीम-शाम है, जिससे बरसात के दिनों में उच्च सालाह पर यह जाता है और नामोंनी को आने जाने में कठिनाई होती है, यदि हो, तो सरकार वर्जयन भवनी विवरण से नियम होकर सोलन विश्वाविद्यालय वा कल्याण राजक का विकासकरण कराने का विचार रखती है, यहीं, तो क्यों ?

संघरक जा प्रकाशकरण

*882. श्री विनोद कुमार रिठ - क्या मैंने, नामोंन कार्य विभाग, यह चतुर्लाने को कृपा करें कि यह यह यह बात सही है कि कटिहार विलानगंडी आजमनगर प्रशासन के सिंधोल मुख्य मोर्चे सदृक में निर्माण-विवरण बौद्ध इलानों तोते हुये अंतिम घटायज्ञ स्थेन तक जाने काली सदृक एवज्जीकरण सही होने के कारण आमलोंगों को जालानगत में कठिनाई होती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सदृक का प्रकाशकरण भवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*८३. ओं अगोद नुक्त मिद् एवं भौति, आगोप लायं विष्णुः, एह वत्सले तो रुदा करो दि नमा गह वत सही है तिं बोलायाह बिलानामत् रमोगव व्रद्धान्त वो लाम् प्रचारिण्या का यसा मध्याद्यन्दो मार मुल नहीं रहने संजाम याम के गीव वो जागा तो अवधारण में बढ़ियाह जाती है, ऐर ही, तो क्या सरवाद अभिम्बाद या यद्या भौति ये युगा विष्णुः वायं लाव विष्णुः रहती है, अर्था ये भौति ?

मरीच वाच विषेशर करना

*८४. श्री गोपन्द इताए मिद् उपि तिकु लिह एवं भौति, जाव भोलाने विष्णुः, एह बत्तामे को रुदा करो दि—

(१) क्या यह वात सही है तिं वै चम्पारण विलानामत् यालभीति याम में विषेश विष्णुः वत्सले या भौति यह १९७२ में वहाँ शृणि वो अवधारण थी यह थी;

(२) क्युं यह वात भौति है तिं उक्ता यह लाइ में विष्णुः भौति ये वाग लाम् रहा है और वर्णन में यह है,

(३) यदि उपरोक्त अभिन्नों के उत्तर सीखियान्तरक हैं, तो क्या सरवाद उक्ता यह लाइ में रखी यह भौतितों को विषेशर कर लायेंगे वहसे का विषेशर रखती है, तरी, तो तरी ?

टोल डैक्सर वस्तुती का अधिवेशन

*८५. तो— यमानं याएष— एवं भौति, पथ विष्णुः विष्णुः, एह वत्सले तो शृणु करो दि क्या वह वत सही है कि यस्या विलानामत् रोलायाह से विलानामत् पथ वत्सल स्टेट लाईने यह है;

(१) क्या यह वात सही है तिं वीयानामत् से स्टेट लाईनें १० फ्लोट्स या दोल टैक्स को वस्तुती रखती है;

(२) क्या मह याता सही है तिं शोपारणा से बछिलायास्तु पथ या आन-जान याता लिम्बी फास जीवान या एष, यस, लैफ्टर से दोल टैक्स वस्तुता जाता है, वापसि विष्णुः वै विज्ञापारायु-पथ-पद्मा स्टेट लाईने पथ या अन्यतीत आह है और स्टेट लाईने पर दोल टैक्स वस्तुता भवताती व्यापार के विष्णुः है;

(३) यदि उपरोक्त अभिन्नों के उत्तर स्पीकरायामक हैं, तो वीयानामत् से विलानामत् पथ या प्रवापत का विलानामत् टैक्स वस्तुता का क्या अधिक्षित है ?

• 三明治 • 食物・旅行

*¹⁰⁶ ये दो वर्ष बाद भी तो उनका सिर्फ नाम और जन्म की तिथि लिखा गया।

- (1) कमा वाला सारी है जिस पट्टमा बिला के खोलीखोली पहुंचे एवं उत्तिहन आगवा प्रतीक के रूप में उत्तरपूर्व 2009 में बहु है ऐसे कई जगहों पर साथों की चोरी भी हा चुकी है, जिसको बदला बिल्डर पर बिल्डर ये बताइनहुए रखते हैं;
 - (2) कमा वाला सारी है कि ताक़तवीर के माझे को रखने वाले बनाये गए जाने वाले बिल्डर जारी है;
 - (3) जब उत्तरपूर्व चोरों के उत्तर लोडबलर्सक हैं, तो उन्हे सरकार के बजाय उक्त उत्तरपूर्व के लोडबलर्स को चाहे पासी एवं उत्तर भवनों को सम्मत करने को बिल्डर जानी है, जहाँ वह उत्तर

第十一章

*207. विद्युतीय विनाशक का उपयोग विद्युतीय विनाशक का उपयोग विद्युतीय विनाशक का उपयोग

- (1) यह वाले मर्दों हैं कि सरकारी विभाग के अधीन 15 लाख से ज्यादा की लागत सहायता वित्तीय सम्पर्क का बाबत विभागीय आमदानी नहीं बढ़ाव देता या प्राप्तपन है;

(2) यह वाले मर्दों हैं कि कलमन विवेक जी 2013-16 में गोपनीय वित्तानामा विषयवालीय प्रबलों के अधीन (पारसी) में 90 लाख रुपये तक दाता देता विभागीय एवं नियमित तरीफ तभी बैचाउट डाकूकरण को 28 लाख रुपये से ज्यादातुर या बाबत विभागीय आमदानी दिये ही बढ़ाव और धूपलम विवेकानंद विभागीय परिषद् द्वारा दिया गया है;

(3) यह उत्तमतम वालों का उत्तम स्वीकारात्मक है, जो अग्र सरकारी विभागीय मिकारों वाले वाले व्यक्तिगतीयों के विभागीय कार्रवाई कारने का विचार रखता है, ही, जो कलमन, मर्दों को देता है।

2000-01-00

***३४५. श्री गणेश प्रसाद मिश्ने—**अथ संवी, यथा विस्तृत विभाग, यह चलाजाने की कृष्ण जाति विलम्ब पड़ा यह बात गाहो है कि क्रांतिकार मिला जा भविष्यत्प्री प्रधारण अनुगम उद्धरणित प्रत्येक विद्यालय प्रधारणालय व उसके क्रांतिकार मन्त्रियों महान् पर जैन दुल का ऐतिहासिकान्त तो गया है, अर्थात् जापान सरकार उक्ता क्षमित्वालय मन्त्रियों को मरणप्री प्रधारण विद्यालय मन्त्री है उक्ति तो क्यों ?

2010-01-01

*४४८ वी (टी) गविन यादव-जी मंडी, जल संसाधन विभाग, तरह सत्ताराम की बाबा करो
किया जाए यह चार मंडी है यह चार मंडी जिसके अंतर्गत पश्चिम झज्जर तालुके उम्र ज़रूर तो उसे यह इन्हें
कामय है, यह तो तो जल संसाधन विभाग या विभाग रखती है, जीवि उम्र ज़रूर

*लोग भी अपनाकर इस्तमाम लानी है—यह पर्याप्त, परं विवरण विभक्ति, यह बहुतम् जीव सुधार के लक्ष्य परं यह यही है कि समस्तीकृत विवरणका उत्तमाधर-प्रशिक्षण के एकांशम् २५ मे आना सुधार विभव देखिएगा, यहीपुर उत्तमी चाक, निराशया चाक, करणव चाक, नाहरू चाकमय चाक हो। इस समस्तद्योग्यता तक विवरणीय प्रतीक्षा लग्ये जाने स मंहीनों के विमर्श वाराणीय उत्तमाधर्म वा परमार्थात्मक जीव सुधार करने पड़ता है, यही ही ले कर्त्तव्यवाद उत्तम गुम्भीर सद्व्यवहारी वा वास्तविकतावाली देखने का उत्तम विवरणीय वाराणीय उत्तम वाली है। नाहरू, तो क्या ?

— 3 —

२०। वा. यांत्रिकों याद्य—काम भवी या त्रिस्त्रीला विभाग, वह बहुतेक लोगों का जीवन की रुचि—
—२१। या. यांत्रिक सभी ही उमेर अवधि-वाले, ये लोग पर्याप्त विद्या, तीव्रीया वे उपर्याप्त विद्या, ये लोग एक विद्यालय की विद्यालय की में पढ़ते थिए जो उत्तीर्णीय विद्या वे उपर्याप्त विद्या से अलग-योग्य विद्या नहीं है।

(2) इस पर वाले सभी हैं निम्नलिखित घटना से संबंधित हैं। एक यदों से दोनों में अधिक 400 करोड़ में आपसा का लिप्ताप्त होता है जब एक उच्च को आपसमें असम्भव है।

(३) परिवर्तनीक खेदों ने भारत स्वीकारामक ही ऐसे समयों का बनाया है जिसमें सुविधाएँ और उपकरण अपने अधिक विषय बनाते हैं, यहीं को कहा ?

第10章

* 592. मृत्यु विप्रवास—जब एकी प्राचीन वार्ता विप्राणि, वह कालान्तर वाली मृत्यु करती है तो वह संपूर्ण विषयनमें कामरखें अस्त्रां वाले व्यामरणाद जै भासा रसा तो तुम इन्हाँ विषयों पराक्रम वाली 2012 में शुरू हुआ, जिस सारे 2015 से गुगल रिसॉर्च में लोकप्रिय अवसरक तरीका बन गये। पुणे नवी विप्राणि सभा है, जहाँ ही लोकों ने ज्ञान साक्षर रसायन पर काम करते व्यामरण वाले विषयों पर विशेषज्ञता ही, वहाँ से प्राप्त है।

第二部分

१९३३ ईस्ट लंग—वहां भर्ते अमीर कर्द उपराह, वह बलाने की कृति करने पर यह पढ़ा गया था कि हिंदुओं द्वारा जोड़ा एक्सेंट के अधिकारी—मार्ग—सामाजिक टोल (जो प्रबन्ध कारबोर्ड) से इस नेतृत्व प्रभाव लाने चाहते हैं, यदि ही तो वह सरकार जल्द नहीं कर सकता कि अधिकारी—प्रबन्धकारी वहां—पुराणा, भक्ता नाम के साथ उपर्याह करने चाहती है, तो, तो उन्होंने

1964 ਵਿੰਚ ਸਾਲ ਵਿੰਚ—ਉਸ ਵਿੰਚ ਜਾਂ ਸ਼ਾਹੀ ਵਿੰਚ, ਪਾਂ ਯਾਤਰੀਆਂ ਦੀ ਹੁਕਮ ਕਰਨ ਵਿੰਚ

- (१) जल या मान सही है जिस उन्दरपूर्ण वेतन के पूर्ण छार से असंभव राज्यवाह अवधारणा विभाग के अधीनस्थ, विक्रम, विप्रवाह, विलक्षण प्रधान कुपि-प्रधान लेप में विनाश का एक मानसिक उत्तरान बोल जाता है :

- (3) यह प्रति साल ही किए गए वर्ष के अंत में दिया जाना चाहिए।

- (4) मरि उपर्युक्त व्यापो के उत्तर लियोफल्गोल्फ द्वारा जैविक संशोधन के अन्तर्गत में उत्पन्न की गयी एक उपसाध जारी है। इसका नाम क्या ?

四百一十五

સુર્યાંગ અને બિજા

“The small town said, “We’re the ones who helped you get here, we’re the ones who’ll help you go home.”

- (1) द्विं पक्ष यह सही है कि गांधी जिसका असरमें चिकित्सामाल प्रखण्ड के साथौरा बर्गोंमें नवीनता दी गई थी उससे में द्विं पक्ष यह स्पष्ट बनाया गया है :

- (३) यह जाति को हिंदू स्ट्रक्चर्च में इसके विवरणों वाले अपनी जाति का एक संघ स्ट्रक्चर्च का भाग भी किया गया है :

- (3) यांदे दिसांजा: द्वारा के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो वसा सरकार कृपयोग का मिलाएं। इन दिसांजों का अनु उत्पादन का विषय रखती है, हमें कैसा करना चाही, तो ज़रूर ?

卷之三

*1977 की व्यापक उम्मद-वा भव्य ग्रामीण काले चिकित्सा, जहां बहुताने को इस पर्याय में जाता होता है कि भूरे रुग्न के सभी लिलों में प्रभावकारी लाग्ने लालन का नाम अलगता बताते वालों में दर्शाया गया है इस को द्रव्याधरण 4 वें संस्करण में एवं 30 वें स्टेप चिकित्सा व्याप्ति तथा 30 प्रतिक्रिया है जो उपर्याक्षर की जाती है तब लोकिन जहां को द्रव्याधरण को असे में 30 प्रतिक्रिया इस दृष्टि में एवं 30 प्रतिक्रिया इस सामिक पर्याप्त चिकित्सा असे है जिसे दीर्घकालीन एवं अधिकालीन द्रव्य उपर्याक्षर में देख दिया जाता है जो ही ऐसा उपर्याक्षर चिकित्सा है

***३९९. श्री राम लालीर—**मैंने भी संसाधन विभाग, यह कालाने की जगह करने के बाये यह यात्रा नहीं है। कि यूनिट उत्पादन विभाग के संयुक्त प्रबोध के सर्वेतिथा एवं आप को मूला महाकाशे जानने वाली महाकृष्ण निर्मिति कार्य उत्पादन । यह मेरे बढ़ते हैं, परन्तु ही, तो संबोध इस पर्याय जल निपाति कार्य कामकाज़ प्रारम्भ नहीं करती है, परन्तु, तो क्या ?

प्रोफिट खट्टू करना

***४००. श्री अमरेश्वर चिह्न—**कला भवीत, जल संसाधन विभाग, यह कालाने की जगह करने का—

(1) पद्धतियों वाले हैं। कि भौतिक विभाग-उत्पादनपूर्व उत्पादीभाष्टु प्रबोध के द्वारा नहीं असंभव हो जानुगा, जलेश्वर, यात्रुओं एवं जागरातिकार नाम से पालने नहीं जाने को फारदा किसान विभाग मुख्यभाग अधिक रुप लाये हैं ।

(2) क्या यह काला नहीं है जिसमें यह कालाने की विभिन्न छाँटों पर सरकारी बोरिए भी बढ़ते हैं, जिसमें विभाग की सिवाय ने जाली लैशियां भी ली हैं ।

(3) परन्तु डायग्नो लार्टों के उत्तर संविधानमध्ये है, तो क्या नहीं करता है इसीलिए उत्पादन-पूर्व विभाग में १ से ५ तका सालानी बोरिए लानाने एवं यह यह बोरिए को खट्टू लाएं को जिताए रखते हैं, तरी, तो क्यों ?

तरलपूर नाला लाना

***४०१. श्री चंद्रेश शर्मा—**जून भवीत, लालू जल संसाधन विभाग, यह कालाने की जगह करने के बाये यह नहीं नहीं है कि भौतिक विभागनामें फड़ावा, बोइलर्स एवं आदि उत्पादन में जलों कालाने का उत्पादन करने के बाये यह ही नहीं है, तो क्या सञ्चय यात्रायां यहीं और नालाकूर्से को जानू लानाने का विधार रखते हैं, तरी, तो क्या ?

बायो-पूर्ण करना

***४०२. श्रीमति योगेन्द्र शिंख शोदानु—**कला भवीत, जारी करने कार्य विभाग, यह कालाने की जगह करने के बाये यह नहीं नहीं है कि विधायक विभागनामें अधिकारी प्रबोध के अस्त्रिपूर्व भवित्वात् (अस्त्रिपूर्व) संयुक्त का एसो.एसो.पी.ओ. नामानामात् तथा २००९ में निर्माण की स्वीकृति दी गई थी जिसका तथा २०१० से २०१४ तक जलास प्रतिवर्त कार्य कर उक्त सहकारी अधूरे लालू दिया गया है, अटू ही तो इस सालों उस बदलक द्वा निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विधार रखती है, तरी, तो क्यों ?

प्राप्ति

प्रियांक १० मार्च २०१६ (५०)

राजीव युवार

प्रभारी सचिव,

मिहार विभाग-दाता, पटना।